राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 263 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

कीर स्टार्मर बोले–ये डील नौकरियों और आम लोगों के लिए फायदेमंद

भारत और ब्रिटेन ने तीन साल की बातचीत के बाद ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चेकर्स एस्टेट में अपने यूनाइटेड किंगडम (यूके) समकक्ष कीर स्टारमर से मुलाकात की। चेकर्स एस्टेट ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास है और लंदन से 50 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को अपनी दो दिवसीय यूके यात्रा के लिए लंदन पहुँचे थे। यह प्रधानमंत्री की यूके की चौथी यात्रा है। लंदन पहुँचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि लंदन पहुँच गया हूँ। यह यात्रा हमारे देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में काफ़ी मददगार साबित होगी। उन्होंने लिखा कि हमारा ध्यान हमारे लोगों की समृद्धि, विकास और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने पर होगा। वैश्विक प्रगति के लिए भारत-यूके की मज़बूत दोस्ती ज़रूरी है। प्रधानमंत्री मोदी की कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान, भारत और ब्रिटेन ने तीन साल की बातचीत के बाद ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने इस साल मई में एफ्टीए पर हस्ताक्षर किए थे और इससे टैरिफसे 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को लाभ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, इससे ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को कार, व्हिस्की और अन्य उत्पादों का निर्यात करना भी आसान हो जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने पहले एफ्टीए की सराहना करते हुए इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया था। उन्होंने दिन में पहले 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत के साथ एक ऐतिहासिक समझौते का मतलब है ब्रिटेन में रोज़गार, निवेश और विकास। यह हज़ारों ब्रिटिश रोज़गार पैदा करता है, व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलता है और कामकाजी लोगों की जेब में पैसा डालता है। यही हमारी परिवर्तनकारी योजना है। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए बड़ा लाभ लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि ये डील मजदूरों की तनख्वाह बढ़ाएगी, जीवन स्तर सुधारेगी और कामकाजी लोगों की जेब में ज़्यादा पैसा डालेगी।

मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। दोनों देशों ने दोहरे अंशदान सम्मेलन समझौते, या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत भी पूरी कर ली है। इससे ब्रिटेन में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरे अंशदान से बचने में मदद मिलेगी। ऐसे व्यापार समझौतों में, दोनों देश परस्पर व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क या तो समाप्त कर देते हैं या उसमें उल्लेखनीय कमी कर देते हैं।

तेजस्वी यादव ने कसा तंज

शाह का अब नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष द्वारा पेश कटौती प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की। यादव ने कहा, ''शाह का नीतीश कुमार पर से भरोसा उठने की क्या वजह है? वह कहते रहते हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव जद-यू (जनता दल यूनाइटेड) अध्यक्ष के नेतृत्व में लड़ा जाएगा, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, यह तो समय ही बताएगा।'' राजद नेता ने कहा, ''अगर शाह को अब भी नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा है, तो उन्हें सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए घोषणा करनी चाहिए कि मुख्यमंत्री 2030 तक सत्ता की कुर्सी पर बने रहेंगे। गृह मंत्री सीतामढ़ी के अपने आगामी दौरे के दौरान इसकी घोषणा करें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले शाह अगस्त में सीतामढ़ी का दौरा करेंगे।

दो दशकों तक रहेगा लागू

राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का गृह मंत्री ने किया अनावरण...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का अनावरण कर दिया है। यह 2025 से 2045 तक अगले दो दशकों के लिए भारत के सहकारी आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए इस नई राष्ट्रीय नीति की घोषणा की। इसका लक्ष्य प्रत्येक गांव में अधिक पेशेवर रूप से प्रबंधित और वित्तीय रूप से स्वतंत्र सहकारी संगठन बनाना है। यह नवीनतम घोषणा 23 वर्ष बाद आई है, जब सहकारी समितियों के लिए इसी प्रकार की नीति 2002 में लाई गई थी, जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सत्ता में था। 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति - 2025' का अनावरण करते हुए शाह (जो गृह और सहकारिता मंत्रालय दोनों संभाल रहे हैं) ने कहा कि सहकारिताएं कराधान सहित सभी पहलुओं में कॉर्पोरेट क्षेत्र के बराबर हैं। उन्होंने राज्यों से नई नीति को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि सहकारी क्षेत्र में भारत के लिए विकास लाने की क्षमता है, जिसका लक्ष्य 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सहकारी संगठनों को पेशेवर, पारदर्शी, प्रौद्योगिकी से लैस, वित्तीय रूप से स्वतंत्र और सफल बनाना है। शाह ने कहा, हमारा लक्ष्य देश के प्रत्येक गांव में कम से कम एक सहकारी संगठन स्थापित करना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य कम से कम 50 करोड़ लोगों को सहकारिता के दायरे में लाना है।

मंत्री ने कहा, यह नीति दूरदर्शी, व्यावहारिक और परिणाम लाने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने 2027 तक भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे। शाह ने कहा कि पिछले 4 वर्षों में सहकारिता मंत्रालय ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आज देश की सबसे छोटी सहकारी इकाई का सदस्य भी गर्व से खड़ा है।

हिमाचल प्रदेश में 16 जुलाई तक भारी बारिश के कारण हुई 171 लोगों की मौत

शिमला। देश भर में एक अप्रैल 16 जुलाई के बीच हुई भारी बारिश ने हिमाचल प्रदेश में 171 जिंदगियां लील लीं हैं। बारिश के कारण हुई मौतों के मामले में हिमाचल प्रदेश आंध्र प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है जहां इसी अवधि में 258 लोगों की मौत हुई है। गृहमंत्रालय की ओर से यह जानकारी दी गयी। यह आंकड़ा आज लोकसभा में सांसदों सुधीर गुप्ता, मनीष जायसवाल, धैर्यशील संभाजीराव माने और चव्हाण रवींद्र वसंतराव के एक प्रश्न के उत्तर में साझा किया गया। जानकारी के अनुसार 171 लोगों की जान जाने के अलावा 23,818 मवेशी भी मारे गए, जो देश में सबसे ज़्यादा है। राज्य में बारिश से कुल 1,528 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। देश भर में बारिश के कारण कुल 51,699 मवेशी मारे गए, और हिमाचल प्रदेश का हिस्सा 46.1 प्रतिशत था।

एक और बड़ा प्लेन हादसा

50 यात्रियों को लेकर उड़ा रूसी विमान घने जंगलों में हुआ क्रैश,किसी के बचने की संभावना नहीं.....

नई दिल्ली। 2025 में कई सारे प्लेन हादसे देखने को मिले हैं। इनमें सबसे बड़ा एयर इंडिया का अहमदाबाद प्लेन क्रैश था। लेकिन अब रूस से एक बड़ी दुखद खबर सामने आ रही है। वहां एक पैसेंजर प्लेन क्रैश हो गया है और लगभग सभी लोग मारे गए हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को चीन की सीमा के पास देश के पूर्वी क्षेत्र में 50 यात्रियों को ले जा रहा एक रूसी यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। लैंडिंग के दौरान पायलट की गलती को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। रूसी विमान पूर्वी अमूर क्षेत्र में लापता हो गया था। रूसी हवाई यातायात नियंत्रण ने गुरुवार को कहा कि पूर्वी अमूर क्षेत्र में लगभग 50 लोगों को ले जा रहे एक एएन-24 यात्री विमान से उसका संपर्क टूट गया है। हालाँकि, बचाव दल ने 50 यात्रियों वाले लापता रूसी विमान के जलते हुए हिस्से का पता लगा लिया है। शॉट समाचार आउटलेट के अनुसार, अंगारा एयरलाइन द्वारा संचालित यह विमान चीन की सीमा से लगे अमूर क्षेत्र के टिंडा शहर की ओर जा रहा था। गौरतलब है कि जब विमान का संपर्क टूटा, तब वह अपने गंतव्य से कुछ ही किलोमीटर दूर था। इंटरफैक्स और शॉट समाचार आउटलेट्स के अपडेट के अनुसार, लापता विमान एक एएन-24 यात्री विमान था। यह विमान चीन की सीमा से लगे अमूर क्षेत्र के टिंडा शहर की ओर जा रहा था। स्थानीय आपातकालीन मंत्रालय के अनुसार, चीन की सीमा से लगे अमूर क्षेत्र के शहर टिंडा के अपने गंतव्य के पास पहुँचते समय विमान रडार स्क्रीन से गायब हो गया। क्षेत्रीय गवर्नर वासिली ओरलोव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विमान में पाँच बच्चों सहित 43 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे।

राहुल गांधी को चुनाव आयोग की दो टूक

कोर्ट के फैसले का इंतजार करें.. वरना बेबुनियाद आरोप न लगाएं

बंगलूरू/ एजेंसी। राहुल गांधी के कर्नाटक चुनाव संबंधी आरोपों पर भारत निर्वाचन आयोग करारा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो पा रहा, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि कांग्रेस के पास इस बात के 100 फीसदी सबूत हैं कि चुनाव आयोग ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में धांधली होने दी। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि वह इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम ऐसा होने देंगे और आपके पीछे आएंगे। इस पर चुनाव आयोग ने जवाब देते हुए कहा कि अगर चुनाव याचिका दायर की गई है, तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करें। अगर नहीं, तो अब बेबुनियाद आरोप क्यों लगा रहे हैं? दरअसल, चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के अंदर फैसले से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति चुनाव याचिका दायर कर सकता है। ऐसी याचिकाएं संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के राज्य के उच्च न्यायालयों में दायर की जा सकती हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा है। वह अपना काम ही नहीं कर रहा है। जब राहुल से बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने के विकल्प वाली टिप्पणी के बारे में पूछा गया।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक की एक सीट पर चुनाव आयोग की ओर से धोखाधड़ी की अनुमति देने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरेली त्यौहार पर किया गया वृहद पौधारोपण, संजय साव मिनरल्स में ग्रामीणों ने लगाए एक हजार से अधिक पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बलराम यादव/ पाटन।: छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार हरेली पर्व पाटन विधानसभा क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया। गोड़पेंडरी में स्थित संजय साव मिनरल्स में हजारों की संख्या में पौधारोपण किया गया। ग्राम के जनपद सदस्य, सरपंच, पंचगण के साथ वन मित्र सहित ग्रामीणों बड़ी संख्या में वृहद पौधारोपण अभियान में शामिल हुए। सुबह से ही पौधारोपण को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्सुकता देखी गई। हर एक ग्रामीण पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया। गोड़पेंडरी में संजय साव मिनरल्स में लगातार हर साल अभियान चलाकर पौधारोपण किया जाता है। अभी वर्तमान में वन मित्र भी बनाया गया है। पर्यावरण की रक्षा के लिए पांच एकड़ से अधिक जमीन पर लगातार पौधारोपण पिछले पांच साल से किया जा रहा है। अब तक सभी पौधा पेड़ बन गए है। चारों तरफ हरियाली देखने को मिल रही है। एक पेड़ मा के नाम अभियान के तहत भी गोड़पेडरी पंचायत प्रतिनिधियों ने भी ग्राम पंचायत के सामने पौधारोपण किया गया। इस दौरान जनपद सदस्य दुनेश्वर मानकुर, सरपंच तोरण साहू, उपसरपंच पप्पू गायकवाड सहित पंचगण उपस्थित थे। सभी ने पर्यावरण रक्षा का संकल्प भी लिया। ग्रामीणों का कहना है कि खादान क्षेत्र होने के कारण गर्मी के दिनों में काफी धूल उड़ता है। इस तरह से पौधारोपण किए जाने से ग्रामीणों से धूल से मुक्ति मिलेगी।

सांकरा में मनाया गया हरेली तिहार, विविध स्पर्धा आयोजित, विजेताओं को बांटे इनाम

पाटन। सांकरा मे विगत कई वर्षो से धूमधाम से मानते है हरेली तिहार सरपंच रवि सिंगौर ने बताया के हरेली के उपलक्ष पर पारंपरिक खेल,गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगाड़ी, सुई धागा सहित अन्य खोलो का आयोजन के साथ पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम हुआ तुलाराम सिँगौर पंच, विरेंद्र यदु पंच, महेन्द्र पारधी पंच, शिवकुमार सिंगौर, कमलेश सिंगौर,दुर्जन ठाकुर, छन्नू पाल, नारद सिंगौर, मनहरण सिंगौर, छोटू यादव, कामता सिंगौर, युगल सिंगौर, कुलदीप सिंगौर, चिंता सिंगौर, गोकुल सिंगौर, सहित अन्य ग्रामवासी जन मौजूद रहे।

हरेली पर्व पर, युवाओं ने की पूर्व कैबिनेट मंत्री से मुलाकात

साजा। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं साजा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रविन्द्र चौबे से रायपुर पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस युवा कार्यकर्ताओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री को पौधा भेंटकर छत्तीसगढ़ के कृषि आधारित पहली तिहार हरेली की बहुत-बहुत बधाई दी गई। इस दौरान सभी के चेहरों पर चमक आई जो कि छत्तीसगढ़ की पहली त्यौहार रिमझिम बारिश लेकर आयी । इस मौके पर अविनाश पटेल,विकू वर्मा,किशोर पटेल, हितेश पटेल एवं गोलू सेन मौजूद रहे।

छात्रों के विवाद में चला कटर

भिलाई। शहर में इन दिनों अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि दिनदहाड़े कटरबाजी जैसी घटना हो रही है। भिलाई के रामनगर मुक्तिधाम स्कूल के छात्रों के बीच मारपीट के दौरान कटर चलने से स्कूल में भी हड़कंप मच गया है। मामला उस वक्त का है जब स्कूल की छुट्टी के बाद कक्षा आठवीं के एक छात्र और सातवीं के छात्र के बीच झगड़ा हुआ। छुट्टी के बाद सातवीं के छात्र ने बाहर से कुछ साथी को बुलाया और आठवी के छात्र के साथ मारपीट करने लगे। तभी अपने दोस्त को मार खाता देख एक छात्र वहां गया और उसे छुड़ाने लगा। इसी बीच छुड़ाने आए छात्र की पीठ पर किसी ने कटर से तीन से चार बार वार कर दिया और सिर पर भी वार किया।

नगर पंचायत पाटन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हरेली तिहार, अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने नगरवासियों को दी बधाई

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ का हर गांव, हर शहर, हर घर में आज हरेली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा हैं। हरेली हरियाली एवं किसानों को समर्पित छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हैं। यह त्यौहार छत्तीसगढ़ के समृद्धि संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक हैं। हरेली का त्यौहार आज पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 अटारी में स्थित गौठान में हर्षोल्लास के साथ नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में मनाया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के साथ उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने गौठान में गौ माता एवं कृषि औजारों की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गौ माता के आरोग्यता की कामना कर लोंदी खिलाया गया।इस दौरान ने जनप्रतिनिधियों द्वारा गेड़ी चढ़कर,गोला फेंक कर व वृक्षारोपण कर पेड़ लगाकर छत्तीसगढ़ के समृद्ध परंपरा का निर्वाहन किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने छत्तीसगढ़ की पहली तिहार हरेली की सभी नगरवासियों को बधाई देकर सभी के समृद्ध जीवन की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी,सभापति केवल देवांगन,सभापति जितेन्द्र निर्मलकर,सभापति नेहा बाबा वर्मा,सभापति देवेंद्र ठाकुर,पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन,मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमन्त वर्मा,इंजीनियर अर्जुन निर्मल,योगेश सोनी, केशव बंछोर,बाबा वर्मा,प्रकाश बिजौरा, रोहित देवांगन,मिलन देवांगन,लोकेश पटेल, चिरंजीव देवांगन,रेणुका बिजौरा,नीलकंठ देवांगन,शत्रुहन देवांगन,नीरज देवांगन,अभिषेक बिजौरा,विजय वर्मा सहित नगर पंचायत के सभी कर्मचारीगण एवं नगरवासी उपस्थित थे।

बेलौदी में वन महोत्सव का हुआ आयोजन, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया वृक्षारोपण

बलौदाबाजार (समय दर्शन)/ बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत रोहांसी परिवृत्त के ग्राम बेलौदी में बुधवार को वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम 2.0 के तहत जनप्रतिनिधियों और स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया।वनों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

वनमंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम 2.0 वन महोत्सव के माध्यम से जन समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ती दिखाई दे रही है जो हमारे साझा भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार वनमंडल बलौदाबाजार अंतर्गत जिले में विभिन्न स्थानों पर एक पेड़ मां के नाम थीम पर वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस वन महोत्सव में एक पेड़ मां के नाम 2.0 की भावना को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। बलौदाबाजार वनमण्डल के विभिन्न जगहों पर इस योजना के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। यह पहल प्रकृति के प्रति सम्मान और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि,प्रशिक्षु परिक्षेत्र अधिकारी सिमरन साहु, स्कूल के प्रचार्य, विद्यार्थी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

शक्तिधाम में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया हरेली तिहार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सावन माह की अमावस्या पर छत्तीसगढ़ का प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार शहर के बाबूटोला वार्ड क्रमांक 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में परंपरागत उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शक्तिधाम परिवार एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में पूरे दिन विविध गतिविधियां आयोजित की गईं।

गुरुदेव हरीश यादव के सानिध्य में कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर त्योहार की परंपरा का निर्वहन किया गया। ग्रामीणों ने हल, कुदाल, फावड़ा जैसे यंत्रों को स्वच्छ कर देवी महाकाली के समक्ष अर्पित कर समृद्धि और फसल की खुशहाली की कामना की। हरेली तिहार के अवसर पर शक्तिधाम परिसर छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं से जीवंत हो उठा। गुरुदेव हरीश यादव ने इस अवसर पर कहा कि हरेली तिहार हमारी कृषि परंपरा, प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इन परंपरागत लोक पर्वों को संरक्षित करें और अगली पीढ़ियों को इनसे जोड़ने का कार्य करें।

इस हरेली पर्व आयोजन में शक्तिधाम परिवार के सदस्यों के साथ-साथ वार्डवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। सभी ने आस्था, आनंद और आत्मीयता के साथ त्योहार को मनाया, और अंत में प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हरेली पर्व ने एक बार फिर यह साबित किया कि आधुनिकता के इस दौर में भी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की जड़ें गहरी और मजबूत हैं, जो हमें हमारी परंपरा और प्रकृति से जोड़ती हैं।

शराब भट्टी के विरोध में उठी ग्रामीणों की आवाज

क्या प्रशासन देगा जनभावनाओं का सम्मान

मुंगेली(समय दर्शन) ग्राम अमोरा (नवागांव) में प्रस्तावित शराब भट्टी खोलने की सूचना के बाद ग्रामीणों में गहरा असंतोष व्याप्त है। शासन-प्रशासन को अब यह सोचना होगा कि विकास के नाम पर कहीं विनाश के द्वार तो नहीं खोले जा रहे।कु.राधिका छेदईहा जो कि नारी चेतना और सामाजिक सेवा से जुड़ी कार्यकर्ता हैं, उन्होंने पुलिस अधीक्षक, आबकारी विभाग, मुंगेली को आवेदन सौंपकर इस मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेने की अपील की है। उनका कहना है कि बिना ग्रामसभा की पारदर्शिता के पंचायत स्तर पर शराब दुकान के लिए सहमति ली जा रही है। 11 जुलाई को सुशासन शिविर में ग्रामीणों से भट्टी के विरोध में हस्ताक्षर लिए गए थे। किंतु अब तक उस विरोध को प्रशासनिक दस्तावेजों में स्थान नहीं मिला।सवाल यह है कि अगर ग्रामवासी स्वयं इस निर्णय के खिलाफ हैं, तो फिर यह प्रस्ताव किस जनहित में लाया जा रहा है।

कु.राधिका ने स्पष्ट किया कि यदि गांव में शराब भट्टी खुलती है, तो युवाओं में नशे की लत, पारिवारिक विघटन और आपसी कलह जैसी सामाजिक समस्याएं बढ़ेंगी। आने वाले समय में इसका परिणाम शांति व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

क्या प्रशासन 'नशामुक्ति' की दिशा में गंभीर है- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घोषित नशामुक्ति अभियान एक सार्थक पहल रही है, लेकिन यदि स्थानीय विरोध के बावजूद ऐसे निर्णय लिए जाते हैं तो यह स्वयं सरकार की नीतियों के साथ एक कटु विरोधाभास बन जाता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से स्पष्ट मांग की है कि ग्राम अमोरा जैसे शांत और सामाजिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में शराब भट्टी खोलने की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए और जनभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

प्रशासन की भूमिका केवल आदेशों का पालन कराने की नहीं होती, अपितु वह जनमानस आवाजों को समझने और सम्मान देने की भी होती है।जब गांव की महिलाएं, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता आगे आकर अपनी आपत्ति दर्ज कर रहे हैं।तो यह केवल विरोध नहीं, बल्कि एक चेतावनी है।आने वाली पीढ़ियों को नशे से बचाने की। यदि सरकार और विभाग वास्तव में जनता के लिए हैं। तो उन्हें यह निर्णय वापस लेकर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।समाज की चुप्पी, आने वाले संकट की भूमिका बनती है।और जब समाज बोल रहा है, तो शासन को सुनना चाहिए।

संस्कार सिटी कॉलेज में हरेली पर अनोखी पहल, पारंपरिक खेलों की जगह किया वृक्षारोपण

राजनांदगांव। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला में इस वर्ष छत्तीसगढ़ के पहले तिहार हरेली को खास अंदाज में मनाया गया। हर साल जहां पारंपरिक छत्तीसगढ़ी खेलों के साथ यह पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता था, वहीं इस बार महाविद्यालय प्रबंधन ने पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए हरेली को वृक्षारोपण के रूप में मनाया।

प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में परंपरागत आयोजनों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने पृथ्वी को असंतुलित कर दिया है। पेड़ नहीं रहेंगे तो मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के स्थान पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति को समर्पित संदेश दिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन न करके उन सभी के प्रति नाराजगी जाहिर की गई है जो पेड़ों के विनाश के लिए जिम्मेदार हैं।

कार्यक्रम में कॉलेज के सभी सहायक प्राध्यापक एवं प्रशिक्षणार्थी छात्राध्यापक शामिल हुए। इस दौरान छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर स्लोगनों के माध्यम से पेड़ कटाई से होने वाले दुष्परिणामों को उजागर किया। संस्थान की इस पहल को छात्रों और शिक्षकों ने सराहा। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण किया और उन्हें संरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी ली। कार्यक्रम में पर्यावरण बचाने के लिए समाज को जागरूक करने का संदेश भी दिया गया।

संस्कार सिटी कॉलेज की इस अनोखी पहल ने यह साबित किया कि परंपरा में बदलाव कर समाज और पर्यावरण के लिए सकारात्मक दिशा तय की जा सकती है।

बसना विकासखण्ड में बिना अवकाश बंद रही शालाएँ

बसना (समय दर्शन)। बसना विकास खंड के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला कापुडीह, शासकीय प्राथमिक शाला बिरसिंगपाली, शासकीय प्राथमिक शाला बुधुडोंगर, शासकीय प्राथमिक शाला बिजराभांठा से शिक्षकों की लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां शासकीय प्राथमिक शालाएँ बिना किसी शासकीय अवकाश के दिनांक 23जुलाई दिन बुधवार को बंद रही।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा घोषित अवकाश दिनांक 24जुलाई को थी, पर बसना विकासखण्ड अंतर्गत शिक्षा विभाग मे अलग बयार चल रही है। यहाँ के अधिकारी कर्मचारी सभी अपनी अपनी सुर तार आलाप रहे हैं । यहाँ कार्यालय का रवैया विवादित तो है ही,पर यहाँ एक पर्व को वेकर दो-दो दिन शाला संचालन बाधित हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार कुछ गांव में पारंपरिक हरेली पर्व दिनांक 23 जुलाई दिन बुधवार को मनाया गया है, लेकिन शासन द्वारा इस पर्व के लिए शासकीय अवकाश दिनांक 24.07.2025 दिन गुरुवार को घोषित किया गया था बुधवार को नहीं।

इसके बावजूद शिक्षकों ने शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए शाला नहीं खोले। जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और शासन की छवि पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहे है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब हमारे रिपोर्टर ने शालाओं का भ्रमण किया तो वहां गेट पर ताला लटका मिला और पूरा परिसर सुनसान पड़ा था एवं किसी भी शिक्षक या स्टाफ की उपस्थिति नहीं थी।

हरेली पर्व पर घोषित अवकाश के चलते गुरुवार को भी शाला बंद रही,ऐसे में दो दिनों तक बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हुई।

इस घटना ने शिक्षा विभाग की आंतरिक कमजोरी को सामने ला दिया है। शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने मे काफी लम्बे अरसे से विफल रहे हैं ।

इसका ही परिणाम है कि बसना शिक्षा विभाग मे लम्बे समय से कोहराम मचा हुआ है ।

विभाग के ही कर्मचारियों के शिकायत पर यहाँ किसी कर्मचारी का ट्रांसफर होता है तो कुछ ही दिन मे फिर से आकर चार्ज ले लेता है।

यहाँ कर्मचारी कितना भी खींचते चिल्लाते रहें,,बहुत कम ही बार इंसाफ मिलता है।

यहाँ अराजनीति मे सराजनीति हावी है जान पडता है ।

बसना शिक्षा विभाग अब धीरे धीरे अंदर से खोखला होते जा रहा है। इस ज्वलंत मामले ने शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और निगरानी की जाती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

शिक्षा विभाग को इस मामले में संज्ञान लेकर जांच करानी चाहिए और जिम्मेदार शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए।

यह मामला न सिर्फ शिक्षकों की लापरवाही को उजागर करता है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति पर भी प्रकाश डालता है।

शासन और शिक्षा विभाग को ऐसे मामलों में सख्त कार्यवाही कर बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान को रोकना होगा ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

एबीईओ विनोद शुक्ला का कहना है कि, नोटिस जारी किया जाएगा।

हरियाली का उत्सव बना मुख्यमंत्री निवास का हरेली तिहार आयोजन

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारा प्रमुख ध्येय: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। रायपुर सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार को हरेली पर्व का आयोजन हुआ। त्यौहार मनाने के लिए पूरे परिसर को ग्रामीण परिवेश में सजाया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की परंपरा, प्रकृति और खेती-किसानी से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो हमें अपने मूल से जोड़ता है। आज पूरा छत्तीसगढ़ हरेली की खुशी में डूबा है। मुख्यमंत्री निवास में भी यह पर्व पूरे उल्लास और पारंपरिक तरीके से मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक हरेली को मनाने का अपना-अपना अंदाज है। लेकिन सभी जगह इसका रंग एक ही है, आस्था और उत्साह एक ही है। जिस तरह प्रकृति हमारा ख्याल रखती है, उसी तरह हमें भी प्रकृति का ख्याल रखना चाहिए। हरेली केवल खेती-किसानी का त्यौहार नहीं है, बल्कि यह अपनी धरती की हरियाली और प्रकृति पूजा का भी त्यौहार है। छत्तीसगढ़ महतारी की कृपा हम सब पर बरसाती रहे और सभी किसान भाई खुशहाल रहें। यही मंगल कामना है

उन्होंने कहा कि साय ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने और 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तय कर ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। हम सभी ने 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ का सपना देखा है और इसके लिए हमने अपना विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हमारी सरकार राज्य से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पूरी तरह से प्रयास कर रही है। हरेली त्योहार पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और किसान जीवन का उत्सव है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। यह त्योहार प्रकृति, कृषि और पशुधन से जुड़े हमारे जीवन मूल्यों की गूंज है। उन्होंने कहा कि ऐसा विश्वास है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती स्वयं धरती पर आकर किसानों के बीच उपस्थित होते हैं और उनके खेतों का निरीक्षण करते हैं। यही कारण है कि इस दिन किसान अपने कृषि यंत्रों, हल-बैल और खेत-खलिहानों की पूजा करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति कर रहा है। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीद और विभिन्न योजनाओं में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। यह हिंदुस्तान में किसी भी राज्य द्वारा किसानों के लिए किया गया सबसे बड़ा कार्य है। यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में एक ऐसा मुख्यमंत्री है, जो केवल घोषणाएं नहीं करता, बल्कि धरातल पर किसानों के पसीने की कीमत चुका रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा , महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायकगण, निगम मंडल आयोग के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शातिर चोर 'मुस्सू' गिरफ्तार, 8.5 लाख बरामद, साथी फरार...

रायपुर। थाना मंदिर हसौद क्षेत्र में स्थित ग्राम कुरूद में एक अधिवक्ता के सूने घर को निशाना बनाकर लाखों की चोरी करने वाला शातिर नकबजन अशोक चंद्रवंशी उर्फ मुस्सू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना मंदिर हसौद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ?8.5 लाख नगद बरामद किए गए हैं। वारदात में उसका एक साथी कार्तिक ध्रुव भी शामिल था, जो फिलहाल फरार है।

क्या है पूरा मामला ?- प्रार्थी अशोक कुमार सोनवानी, जो पेशे से वकील हैं, 9 जुलाई की रात अपना कुरूद स्थित मकान बंद कर कचना स्थित अपने दूसरे घर में चले गए थे। अगली सुबह जब वे लौटे तो पाया कि घर के पिछले हिस्से से घुसकर अज्ञात चोरों ने ताले और अलमारी तोड़कर नगदी, सोने-चांदी के जेवर और मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं। इस पर थाना मंदिर हसौद में अपराध क्रमांक 307/25, धारा 331(4), 305 क्चहृस् के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने कैसे पकड़ा चोर ?- घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी रायपुर रेंज और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। इसके अलावा पुराने नकबजनों पर निगरानी शुरू की।

जांच में सामने आया कि पूर्व में चोरी, मारपीट और आबकारी एक्ट में जेल जा चुका अशोक चंद्रवंशी उर्फ मुस्सू घटना के दिन अपने साथी कार्तिक ध्रुव के साथ क्षेत्र में देखा गया था। पुख्ता साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने अशोक को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो उसने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात कबूल ली।

क्या बरामद हुआ ?- पुलिस ने अशोक चंद्रवंशी के कब्जे से ?8,50,000 नकद बरामद किए हैं। जबकि चोरी में शामिल दूसरा आरोपी कार्तिक ध्रुव अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपी का प्रोफाइल

नाम: अशोक चंद्रवंशी उर्फ मुस्सू

उम्र: 26 वर्ष

पता: ग्राम कुरूद भाटापारा, थाना मंदिर हसौद, रायपुर

अपराधिक रिकॉर्ड: मंदिर हसौद थाने में चोरी, मारपीट और आबकारी एक्ट जैसे कई मामलों में पहले भी जेल जा चुका है।

मोबाइल शोरूम में लाखों की चोरी: 2 नाबालिग समेत 4 हिरासत में

रायपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कटोरा तालाब इलाके में मोबाइल दुकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी करने वाले गिरोह का रायपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 87 मोबाइल फोन, ?20,000 नकद, और 2 एक्टिवा वाहन बरामद किए हैं। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 21.20 लाख आंकी गई है।

ऐसे हुई चोरी- शिकायतकर्ता विशाल विरनानी ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जुलाई की रात को वह अपनी दुकान शोभा टेलीकॉम बंद कर घर गया था। अगली सुबह दुकान का शटर टूटा पाया गया और भीतर से नए-पुराने मोबाइल, नकदी और जरूरी दस्तावेज गायब थे।

आरोपी महाराष्ट्र भाग रहे थे, ट्रेन में पकड़े गए- जांच के दौरान नवीन पिंजानी नामक युवक को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में शेख इमरोज और दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर चोरी की बात कबूल की। जानकारी मिली कि बाकी तीन आरोपी महाराष्ट्र की ओर भाग रहे हैं, जिसके बाद रायपुर पुलिस ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर तैनात टीम के जरिए तीनों को ट्रेन से गिरफ्तार किया और रायपुर लाया गया।

आपराधिक रिकॉर्ड वाला है मुख्य आरोपी- गिरफ्तार शेख इमरोज पूर्व में नकबजनी, लूट और आर्म्स एक्ट के मामलों में जेल जा चुका है। उसका आपराधिक रिकॉर्ड पहले से ही पुलिस के पास था, जिसके आधार पर उसे ट्रैक किया गया।

पुलिस ने तेजी से की कार्रवाई- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इस केस में तेजी से काम किया। तकनीकी विश्लेषण, CCTV फुटेज, मुखबिरों और पुराने अपराधियों की निगरानी से पूरे गिरोह की पहचान और गिरफ्तारी संभव हो पाई।

पाट जात्रा के साथ विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा का शुभारंभ

रायपुर। हरियाली अमावस्या पर बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मन्दिर के सामने गुरुवार को पाट जात्रा पूजा विधान के साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया। बस्तर दशहरा पर्व के इस प्रथम पूजा विधान में बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बस्तर दशहरा पर्व समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता, पटेल, नाईक-पाईक, सेवादारों के साथ जनसमुदाय भी शामिल हुआ।

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित इस ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के पहले पूजा विधान पाट जात्रा में रथ निर्माण के लिए बनाए जाने वाले औजार ठुरलू खोटला तथा अन्य औजारों का परम्परागत तरीके से पूजा-अर्चना कर रस्म पूरी की गयी। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया, जो इस वर्ष करीब 75 दिवस की अवधि तक पूरे आस्था, श्रद्धा और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

बस्तर दशहरा पर्व के प्रमुख पूजा विधानों को निर्धारित तिथि अनुसार सम्पन्न की जाती है। जिसके तहत आगामी शुक्रवार 05 सितम्बर को डेरी गड़ाई पूजा विधान, रविवार 21 सितम्बर को काछनगादी पूजा विधान, सोमवार 22 सितम्बर को कलश स्थापना पूजा विधान, मंगलवार 23 सितम्बर को जोगी बिठाई पूजा विधान सहित बुधवार 24 सितम्बर से सोमवार 29 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, सोमवार 29 सितम्बर को सुबह 11 बजे बेल पूजा, मंगलवार 30 सितम्बर को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, बुधवार 01 अक्टूबर को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव, गुरुवार 02 अक्टूबर को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शुक्रवार 03 अक्टूबर को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शनिवार 04 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान एवं मुरिया दरबार होगा। वहीं रविवार 05 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान में ग्राम्य देवी-देवताओं की विदाई होगी और मंगलवार 07 अक्टूबर को मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व सम्पन्न होगी।

एक पूर्व में हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में जेल जा चुका है

लूटपाट करने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

रायपुर। रायपुर पुलिस ने पर्स और मोबाइल लूट तथा वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक पूर्व में हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में जेल जा चुका है, जबकि दूसरा नाबालिग है और वाहन चोरी के मामले में पूर्व में पकड़ा जा चुका है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन और एक पल्सर बाइक बरामद की है, जिसकी कुल कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

कैसे हुई वारदात- 20 जुलाई को न्यू आनंद नगर, भनपुरी निवासी एक महिला अपनी सास के साथ फाफाडीह स्थित पाठक अस्पताल जा रही थी। दोपहर 12:30 बजे के करीब जैसे ही वे रोड पार कर रहीं थीं, बाइक सवार दो युवक उनकी सास के हाथ से हैंडपर्स झपटकर फरार हो गए। झपटमारी में महिला नीचे गिर गई और उसे चोट आई। पर्स में ?3,000 नकद और दो मोबाइल फोन थे।

इस मामले में गंज थाने में 304(2), 3(5) क्चहृस् के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच में हुआ बड़ा खुलासा- ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगालने और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने निर्मल महानंद उर्फ साहिल नाम के युवक की पहचान की, जो पहले भी हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में जेल जा चुका है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने नाबालिग भाई (जो पहले से वाहन चोरी के मामले में आरोपी है) के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दे रहा था।

अन्य घटनाओं में भी संलिप्त- पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक और व्यक्ति से मोबाइल लूटा था और खमतराई इलाके से एक पल्सर बाइक चुराई थी, जिसका इस्तेमाल वे वारदातों में कर रहे थे।

इन घटनाओं को लेकर गंज थाने में स्नङ्कक्र क्रमांक 178/25, देवेंद्र नगर में स्नङ्कक्र क्रमांक 133/25 (धारा 309(2), क्चहृस्) और खमतराई थाने में वाहन चोरी का मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपी:-

निर्मल महानंद उर्फ साहिल, उम्र 22, निवासी घासपारा, माता नगर, खमतराई

विधि के साथ संघर्षरत एक नाबालिग भाई

पुलिस की टीम और कार्रवाई- इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी गंज निरीक्षक भावेश गौतम और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट प्रभारी निरीक्षक परेश पांडेय के नेतृत्व में कई अधिकारियों और जवानों की टीम शामिल रही, जिन्होंने तकनीकी निगरानी, ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखकर सफलता हासिल की।

रायपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट और चोरी की सामग्री बरामद कर ली है, और संबंधित थानों को उनकी गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्त निगरानी और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों में धार्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक है अभिषेक शांति धारा संस्कार

रायपुर। लाभांडी स्थित पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में पावन वर्ष

योग 2025 चतुर्मास का आयोजन किया गया है। इस चातुर्मास में आर्यिका रत्न 105 अंतर्मति माता संसंघ विराजमान है। चातुर्मास में प्रत्येक दिन नियमित रूप से पूजन अभिषेक,धार्मिक क्रियाएं,संस्कार,प्रवचन,कक्षाएं आदि जारी है। जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य अजय जैन के पुत्र मोक्ष ने आज 8 वर्ष पूर्ण पर अरिहंत भगवान का अभिषेक किया। विदित हो कि जैन धर्म के अनुसार किसी भी बालक के 8 वर्ष पूर्ण होने में उसे श्रीजी के अभिषेक शांति धारा की पात्रता मिलती है। अजय जैन ने बताया कि प्रथम बार अभिषेक कर चि. मोक्ष ने अपने जन्मदिवस सार्थक किया। चातुर्मास के दौरान आर्यिका रत्न 105 अंतर्मति माता जी ने बच्चों में संस्कार के लिए प्रवचन में बताया कि प्रवचन और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से बच्चों में नैतिक और धार्मिक संस्कार विकसित किए जा सकते हैं। चातुर्मास, जो कि चार महीनों की अवधि है, धार्मिक गतिविधियों और आत्म-सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण समय माना जाता है। इस दौरान, प्रवचन, धार्मिक कथाएँ, और विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जो बच्चों को धार्मिक और नैतिक मूल्यों को समझने और अपनाने में मदद करते हैं। जैन धर्म में, 8 वर्ष की आयु में अभिषेक शांतिधारा करना एक महत्वपूर्ण संस्कार है, जो बालक को धार्मिक जीवन में प्रवेश करने की शुरुआत का प्रतीक है। यह जिसमें तीर्थंकर की मूर्ति पर शुद्ध जल चढ़ाया जाता है, जो शांति और पवित्रता का प्रतीक है। इस संस्कार के माध्यम से, बच्चे को धार्मिकता और नैतिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया जाता है।

8 वर्ष की आयु में अभिषेक शांतिधारा करने के कुछ मुख्य कारण हैं:- ज़ धार्मिक संस्कार: यह एक धार्मिक संस्कार है जो बच्चे को जैन धर्म के सिद्धांतों और मूल्यों से परिचित कराता है।

पवित्रता का प्रतीक: अभिषेक शांतिधारा में, शुद्ध जल चढ़ाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है। यह बच्चे को शुद्ध और पवित्र जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

धार्मिकता की शुरुआत: यह संस्कार बच्चे के धार्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक है, और उसे धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नैतिकता का विकास: यह संस्कार बच्चे में नैतिकता, अहिंसा, और सम्यक आचरण जैसे मूल्यों को विकसित करने में मदद करता है।

सामाजिक बंधन: यह संस्कार परिवार और समुदाय के बीच धार्मिक बंधन को मजबूत करता है, और बच्चे को सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

संक्षेप में, 8 वर्ष की आयु में अभिषेक शांतिधारा जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण संस्कार है जो बच्चे को धार्मिक, नैतिक, और सामाजिक रूप से विकसित होने में मदद करता है।

भूपेश ने मनाया हरेली तिहार, साय सरकार पर बोला हमला...

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरी पारंपरिक छवि के साथ मनाया। अपने निवास पर उन्होंने हल, बैलगाड़ी और कृषि उपकरणों की विधिपूर्वक पूजा की, साथ ही गेड़ी चढ़कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनका पूरा परिवार भी मौजूद रहा।

गोठानों को लेकर सरकार पर तीखा हमला- पूर्व मुख्यमंत्री ने गोठानों को बंद करने की कथित कोशिशों को लेकर भी बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा बीजेपी एक ओर गाय के नाम पर राजनीति करती है, दूसरी ओर गोठानों को खत्म करने में जुटी है। महिलाओं को जमीन खाली करने के नोटिस दिए जा रहे हैं और वहां सामुदायिक भवन बनाने की योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि गोठान केवल पशुधन के लिए नहीं, बल्कि महिला स्व सहायता समूहों की आय का भी आधार हैं। ऐसे फैसले ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रहार हैं।

हरेली हमारी पहचान है- भूपेश बघेल ने गेड़ी चढ़ते हुए ग्रामीण संस्कृति को सम्मान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा हरेली सिर्फ त्योहार नहीं, हमारी पहचान है। यह हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की आत्मा है। हमें इसे हर हाल में संजोकर रखना होगा। खेती किसानी से जुड़े इस त्यौहार के दौरान सरकार की दुर्भावना के चलते आज प्रदेश के किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं।

बेटे की गिरफ्तारी इत्तेफाक नहीं , साजिश है- भूपेश बघेल ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि अडानी पर बोलने के ठीक बाद उनके बेटे को जन्मदिन पर गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एक राजनीतिक साजिश है, जिससे कांग्रेस नेतृत्व को कमजोर किया जा रहा है। अब मोदी सरकार के जाने की बारी है, रणनीति और हिम्मत के साथ लडेगे। यह कार्रवाई एक राजनीतिक साजिश छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बार फिर केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर तीखा हमला बोला है. अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जिस दिन उन्होंने अडानी समूह के खिलाफआवाज उठाई, उसी दिन उनके परिवार को निशाना बनाया गया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह सब एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश का हिस्सा है, जिसमें उनके बेटे चैतन्य बघेल को निशाना बनाकर कांग्रेस के नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, इसलिये परिवार पर निशाना साधा गया है।

संपादकीय

आतंकवाद से निपटने विशेषज्ञों का जोर

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित 'दक्षिण एशिया में आतंकवाद - क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं। यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

हिन्दी करोड़ों भारतीयों के दिलों की आवाज

मोनिका चौहान

हाल में कर्नाटक में बेंगलुरु मेट्रो के साइन बोडरे पर हिन्दी के इस्तेमाल को लेकर छिड़ा विवाद अब स्थानीय मुद्दा नहीं रह गया है। धीरे-धीरे पूरे दक्षिण भारत में फैल चुका है। सोशल मीडिया से लेकर टेलीविजन डिबेट्स तक में गूंज रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ता भी सक्रिय हो गए हैं। हाल में उन्होंने मुंबई के मीरा रोड पर मोर्चा निकाला जहां वे हिन्दी में लिखे साइन बोर्ड हटाने की मांग कर रहे हैं।एमएनएस कार्यकर्ता जगह-जगह दुकानों और प्रतिष्ठानों पर जाकर मराठी में बोर्ड लगाने की अपील कर रहे हैं। हिन्दी में लिखे साइन बोडरे को हटाने की चेतावनी दे रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि मुंबई में रहने वालों को मराठी आनी ही चाहिए। इसे 'हिन्दी थोपने' के खिलाफ सांस्कृतिक लड़ाई के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर हिंदी थोपना बंद करो जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं, और राजनीतिक दल इसे भाषाई अस्मिता का मुद्दा बना कर भुना रहे हैं। इस विवाद ने दक्षिण बनाम हिन्दी की बहस को हवा दे दी है। कन्नड़ संगठनों और कुछ क्षेत्रीय नेताओं ने इसे 'हिन्दी थोपने' का प्रयास बताया हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भी हिन्दी के खिलाफ तीखे स्वर उठे हैं। यह कोई पहली बार नहीं हुआ। समय-समय पर दक्षिण भारत से हिन्दी विरोध के स्वर उठते रहे हैं, जो अक्सर क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए वोट बैंक की राजनीति का साधन बन जाते हैं। ताजा विवाद याद दिलाता है, जब कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने 2022 में कहा था कि हिन्दी अब राष्ट्र भाषा नहीं रही। इस बयान पर बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। कहा था कि हिन्दी राष्ट्र भाषा थी, है, और रहेगी। देखते ही देखते यह सांस्कृतिक बहस से खिसक कर राजनीतिक मुद्दा बन गया था। कर्नाटक के कई नेताओं ने तब भी हिन्दी पर सवाल उठाए थे। वही सिलसिला अब मेट्रो के साइन बोडरे को लेकर फिर सिर उठा रहा है। सवाल यह है कि आखिर, हिन्दी पर बार-बार का हमला क्यों? हिन्दी कोई थोपी गई भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लाखों भारतीयों के सपनों की आवाज थी। गांधी, नेहरू, पटेल जैसे नेताओं ने हिन्दी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम माना। आज भी हिन्दी उत्तर भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की संपर्क भाषा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में हिन्दी बोलने वालों की संख्या 53 करोड़ से अधिक है। पिछले 50 सालों में हिन्दी बोलने वालों की आबादी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। हिन्दी न केवल उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान जैसे राज्यों की प्रमुख भाषा है, बल्कि महानगरों में भी प्रवासी भारतीयों के कारण लगातार फैल रही है। दक्षिण भारतीय भाषाओं की बात करें तो तेलुगू को 6.7 प्रतिशत, तमिल को 5.7 प्रतिशत और कन्नड़ को मात्र 3.6 प्रतिशत लोग मातृ भाषा मानते हैं। फिर भी हिन्दी पर निशाना साधना राजनीतिक दलों के लिए सुविधाजनक मुद्दा बना हुआ है। हिन्दी का विरोध करने वाले अक्सर तर्क देते हैं कि हिन्दी का प्रभुत्व क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर कर देगा। पर क्या सचमुच ऐसा है? तथ्य तो यह कहते हैं कि हिन्दी और अन्य भाषाओं में सहअस्तित्व है। उदाहरण के लिए, दक्षिण भारत की ही फिल्म इंडस्ट्री को लें। कन्नड़ फिल्म केजीएफ-2ने हिन्दी डबिंग के दम पर लगभग 900 करोड़ रुपये की कमाई की। दक्षिण की फिल्मों को पैन-इंडिया हिट बनाने में हिन्दी का योगदान छुपा नहीं है। यह भी सच है कि भारत की भाषाई विविधता उसकी ताकत है। तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली जैसी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें बचाना और सहेजना जरूरी है। लेकिन इनकी अस्मिता को हिन्दी के विरोध के बहाने राजनीतिक मंच पर भुनाना खतरनाक प्रवृत्ति है। तमिलनाडु का इतिहास इस राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। 1937 में हिन्दी को स्कूलों में अनिवार्य बनाने के प्रयास के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 1965 तक आते-आते हिंसक हो गया था। राजाजी (सी. राजगोपालाचारी) जैसे नेता इसे उत्तर भारतीय प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में पेश किया करते थे। आज वही रणनीति कर्नाटक में भी दोहराई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में न्यायपालिका में हिन्दी के उपयोग की वकालत कर हिन्दी प्रेमियों में उम्मीदें जगाई हैं पर सरकार को भी समझना होगा कि किसी भी भाषा को थोपना एकता को नहीं, बल्कि विभाजन को जन्म देता है।

मांसाहारी खाने पर जारी 'सेक्युलर सियासी खेल' के साइड इफेक्ट्स को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

सनातनी हिंदुओं के पवित्र श्रावण यानी सावन के महीने में या आश्विन माह में पड़ने वाले शारदीय नवरात्र के दिनों में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर जो विवाद सामने आ रहे हैं, वह इस बार भी प्रकट हुए और पक्ष-विपक्ष की क्षुद्र राजनीति के बीच अपनी नीतिगत महत्ता खो बैठे। वहीं, तथाकथित एनडीए शासित राज्य की बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में गत सोमवार को खाने में जिस तरह से नॉन-वेज भी परोसा गया, उसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंच गई हैं।

इसी तरह, यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग स्थित ढाबों और भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में उठा। स्पष्ट है कि यहां भी मूल में भोजन ही है। इसलिए पुन: यह सवाल अप्रासंगिक है कि कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इस पर ऐसे विवाद से बचा जा सकता था। लेकिन ऐसे सो कॉल्ड सेक्यूलर्स और वेस्टर्न लॉ एडवोकेट्स को पता होना चाहिए कि सदियों से भारतीय समाज एक संवेदनशील व सुसंस्कृत समाज रहा है, जहां स्पष्ट मान्यता है कि खान-पान से व्यक्ति के मन का सीधा सम्बन्ध होता है।

कहा भी गया है कि जैसा खाए अन्न, वैसा बने मन। इसलिए राजा या शासक का कर्तव्य है कि वह आमलोगों को शुद्ध और सुरुचिपूर्ण भोजन ग्रहण करने योग्य कानून बनाए और उसकी सतत निगरानी रखे। चूंकि भारतीय समाज में शाकाहारी खानपान को प्रधानता दी गई है ताकि निरोगी जीवन का आनंद लिया जा सके। इसलिए ऐसे लोगों को अभक्ष्य पदार्थों यानी अंडे, मांस-मछली का दुर्गंध नहीं मिले, इसकी भी निगरानी रखना प्रशासन का काम है।

वहीं, खान-पान के व्यवसाय से जुड़ी कम्पनियां शाकाहारी लोगों को मांसाहारी उत्पाद डिलीवर न कर दें, मिलावटी शाकाहारी समान न डिलीवरी कर दें, यह देखना भी प्रशासन का ही धर्म है। यदि वह धर्मनिरपेक्षता की आड़ में अपने नैतिक दायित्वों से मुंह मोडता है तो उसे भारत पर शासन करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इसलिए देश की भाजपा नीत एनडीए सरकार, या विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारें या एनडीए सरकारें इस बात की कोशिश कर रही हैं कि खास पर्व-त्यौहारों पर निरामिष लोगों के अनुकूल माहौल बनाए रखा जाए।

आमतौर पर यह माना जाता है कि इस्लामिक शासनकाल में और ब्रिटिश शासनकाल में सनातन भूमि पर गुरुकुल, ब्रह्मचर्य व शाकाहार को हतोत्साहित किया गया और मांसाहार तथा मद्यपान को प्रोत्साहित किया गया। जिससे कई सामाजिक कुरूतियों जैसे कोठा संस्कृति वाली वैश्यावृत्ति और अनैतिक अपराध को बढ़ावा मिला। ऐसा इसलिए कि दूषित अन्न खाने व दूषित पेय-पदार्थ पीने से मानवीय मनोवृत्ति विकृत हुई।

इसलिए कहा जा सकता है कि उदार और सहनशील भारतीय समाज का जो नैतिक पतन हुआ है, कभी-कभी स्थिति पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के काबू से बाहर हो जाती है, उसका सीधा सम्बन्ध असामाजिक तत्वों के खानपान से भी है। इसलिए इस अहम मुद्दे के सभी पहलुओं पर निष्पक्षता पूर्वक विचार होना चाहिए। इस मामले में आधुनिक प्रशासन का ट्रैक रिकार्ड बेहद ही खराब रहा है, अन्यथा जानलेवा मिलावट खोरी इतनी ज्यादा नहीं पाई जाती। मीडिया रिपोर्ट्स भी इसी बात की चुगली करती आई हैं। जहां तक व्यक्तिगत चुनाव की बात है तो यह अपने घर पर ही लागू हो सकते हैं, सार्वजनिक जगहों पर बिल्कुल नही। इस बात में कोई दो राय नहीं कि खाने-पीने की पसंद किसी

व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का हिस्सा होती है। इसलिए भारत में जैसी विविधता पूर्ण संस्कृति रहती आई है, वैसे ही यहां के खाने में भी विविधता सर्वस्वीकार्य है। इसलिए किसी को क्या खाना चाहिए, इसकी पुलिसिंग होनी चाहिए या नहीं, विवाद का विषय है।

कहना न होगा कि जैसे कानून किसी को भी जहर खाने की इजाजत नहीं देता है, वैसे ही मीठे जहर के रूप में प्रचलित बाजारू चीजों की भी जांच-पड़ताल की जानी चाहिए और यदि वे जनस्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल हों तो उनपे निर्विवाद रूप से रोक भी लगनी चाहिए। यही बात मांसाहार पर भी लागू होनी चाहिए, क्योंकि इससे मानवीय शरीर में विभिन्न प्रकार के संक्रामक रोगाणुओं को भी बढ़ावा मिलता है। बर्ड फ्लू इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

कुछ लोग बताते हैं कि लोगों के खानपान की पुलिसिया निगरानी या ऐसी कोई भी कोशिश संविधान के उस अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगी, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। इसलिए भोजन और पहनावा भी इसी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। लेकिन यह सिर्फ घर के चहारदीवारी के भीतर होनी चाहिए, वो भी तभी तक जब तक कि पड़ोसी को आपत्ति नहीं हो। ऐसा इसलिए कि आधुनिक फ्लैट संस्कृति में एक घर के रसोई की सुगंध या दुर्गंध पड़ोसियों के बेडरूम तक पहुंच जाती हैं। इसलिए भोजन निजी पसंद की चीज है, लेकिन बगलगीर की भावनाओं का सम्मान करना भी मांसाहारियों की नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि कुछ शाकाहारी लोग तो दुर्गंध मात्र से उल्टी कर बैठते हैं। इससे उनका जीवन भी खतरे में आ जाता है।

इसलिए यह राजनीतिक विवाद का विषय नहीं, बल्कि सियासी सूझबूझ का परिचायक समझा जा सकता है। भारतीय राजनीति की एक सबसे बड़ी कमी यह महसूस की जाती है कि हमारी कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को जनहितैषी बनाने में यह विगत सात-आठ दशकों में भी शत-प्रतिशत क्या, पचास प्रतिशत भी सफल नहीं हुई है। लोकतंत्र और पाश्चात्य लोकतांत्रिक मूल्यों, जिस खुद पश्चिमी देश अपनी सुविधा के अनुसार चलते हैं, भारत में आँखमूद कर लागू कर दिए जाते हैं। इसलिए व्यापक जनहित का सवाल व्यवहारिक रूप से काफी पीछे छूट जाता है।

हालांकि इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। देखा जाए तो ज्यादातर के मूल में राजनीति होती है। बिहार में दो साल पहले भी सावन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना एक सियासी मुद्दा बन गया था। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ और सफाई देनी पड़ी कि यह तो वेज थी !

यही वजह है कि खानपान को लेकर नीतिगत संतुलन की जरूरत सबको है। इसलिए आस्था को भोजन के साथ मिलाने पर जो समस्या खड़ी होती है, वैसी ही समस्या इसकी अनदेखी के पश्चात भी खड़ी होती बताई जाती है। चूंकि दोनों ही निजी मामले हैं और दोनों में ही किसी को दखल देने का हक नहीं है। हां, यह जरूर है कि जब बात किसी खास आयोजन या धार्मिक अवसर पर किसी समुदाय की भावनाओं से जुड़ी हो, तो वहां सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन की जरूरत पड़ती है। ऐसा ही होता भी आया है।

वहीं, भोजन किसी व्यक्ति की गरिमा का सवाल भी है। असल में, भोजन केवल भूख से नहीं, व्यक्ति की गरिमा से भी जुड़ा होता है। यह सम्मान के साथ कमाने और खाने का हक इस देश के सभी नागरिकों को देता है। किसी भी वजह से इन हकों को छीनने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। फिर यह भी देखना चाहिए कि खाने का इस्तेमाल राजनीति की बिसात पर न हो। साथ ही, इस राजनीति से लोगों की रोजी-रोटी पर आंच भी नहीं आनी चाहिए। आखिर हमें यह मानना पड़ेगा कि भजन की तरह भोजन भी स्वरूचि का विषय है। लेकिन जिस तरह से भजन का नाता आतंकवाद और विघटन कारी तत्वों से जुड़ गया है, कुछ वैसी ही आशंका भोजन को लेकर भी जन्म ले रही हैं। इसलिए विधायी, प्रशासनिक, न्यायिक और मीडिया के स्वविवेक से जब इस जटिल मुद्दे का समाधान भारतीय सभ्यता-संस्कृति के अनुरूप निकाला जाएगा तो मुझे उम्मीद है कि शाकाहारी लोगों की जनभावना आहत नहीं होंगी।

ट्रंप प्रशासन की टैरिफ युद्ध

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रंप प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस संबंध में अब स्पष्टता का पूर्णत: अभाव दिखाई देने लगा है। ट्रंप द्वारा कई बार घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही संपन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त, 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।

इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी-भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदाथरे (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी संपन्न किया जा चुका है।

पूर्व में, ट्रंप प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता संपन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है।

द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है, और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त, 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि संबंधी निर्णयों की आलोचना की है, और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है।

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

11 जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। दोषी को सजा मिलनी चाहिए-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन निर्दोष को दंड न मिले- यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर 'नतीजे पहले, जांच बाद में' का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने। एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि 'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।

यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

वास्तु के इन उपायों से घर आएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में जीवन के हर पहलू में वास्तु का बड़ा महत्व है। वास्तु के अनुसार, जीवन में किए गए छोटे-छोटे शुभ कार्यों से सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है और जातक का भाग्य चमकने लगता है। व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। साथ ही जीवन सुख-सुविधाओं और खुशहाली में व्यतीत होता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा और धन-संपन्नता के लिए वास्तु के कुछ उपाय बहुत लाभकारी माने जाते हैं। इन उपायों से जीवन की हर एक बाधा दूर की जा सकती है। चलिए जानते हैं।

तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं: रोजाना तुलसी के पौधे पर जल चढ़ाने और शाम को दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। धार्मिक मान्यता है कि इससे जातकों को जीवन में कभी भी धन की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है और जीवन सुख-सुविधाओं से भरपूर रहता है।

कुबेर यंत्र स्थापित करें: घर के उत्तर-पूर्व कोने में कुबेर यंत्र स्थापित करना बेहद मंगलकारी माना जाता है। वास्तु के मुताबिक, घर में कुबेर यंत्र होने से सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है, लेकिन वास्तु के इन नियमों का पालन करने के साथ धन का प्रबंधन भी समझदारी से करें।

गंगाजल छिड़के: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर की दरिद्रता को दूर करने के लिए रोजाना घर के उत्तर-पूर्व कोने में गंगाजल का छिड़काव करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आर्थिक स्थित मजबूत होती है।

तिजोरी रखने की दिशा: धन-दौलत में बढ़ोत्तरी के लिए घर की अलमारी रखते समय वास्तु का खास ध्यान रखना चाहिए। घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में अलमारी या तिजोरी रखने से धन-संपदा में वृद्धि होती है और व्यक्ति आर्थिक रूप से सुखी और संपन्न रहता है।

अरबी सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं सेहत के लिए भी फायदेमंद

जमीन के नीचे कई तरह की सब्जियां उगती हैं, उन्हीं में से एक है अरबी (Taro)। अरबी ना सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि सेहत को भी कई तरह से फायदा पहुंचाती है। अरबी में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, फोलेट, विटामिंस, पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस की मात्रा भरपूर होती है। न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर अरबी के फायदों को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। आइए जानते हैं अरबी खाने से सेहत (Arbi) को क्या-क्या लाभ होते हैं।

अरबी ब्लड शुगर लेवल करे कंट्रोल-

जब आप अरबी का सेवन करते हैं तो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। अरबी की सब्जी में स्टार्च भरपूर होता है। इसमें दो प्रकार के कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो रक्त शर्करा को मैनेज करने में फायदेमंद होते हैं। फाइबर और रेसिस्टेंट स्टार्च पाचन को धीमा करने में मदद करते हैं। इस प्रकार भोजन करने के बाद अधिक मात्रा में शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है।

अरबी एंटी-कैंसर प्रॉपर्टीज से भरपूर-

अरबी के सेवन से आप कई तरह के कैंसर से बचे रह सकते हैं। दरअसल, इसमें एंटी-कैंसर प्रॉपर्टीज होती हैं, जो कैंसर की कोशिकाओं को शरीर में डेवलप होने से रोकती हैं। इसमें प्लांट-बेस्ड कम्पपाउंड पॉलीफेनॉल्स होता है, जो कई तरह के सेहत लाभ देता है। इस तरह से यह कैंसर के होने के जोखिम को भी कम करता है। मुख्य पॉलीफेनॉल्स जो अरबी में पाया जाता है, वे है क्वेरसेटिन। ये शरीर को फ्री रैडिकल डैमेज से बचाते हैं। यह कैंसर के रिस्क को बढ़ाता है।

अरबी पेट को रखे हेल्दी-

अरबी की सब्जी खाने से पेट की सेहत दुरुस्त रहती है। अरबी में मौजूद फाइबर और रेसिस्टेंट स्टार्च पेट में मौजूद बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंट होते हैं, ताकि शॉर्ट-चेन फैटी एसिड का निर्माण कर सकें। ये कोलोन कैंसर, इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज से आपको बचाए रख सकते हैं। ऐसे में हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

अरबी आंखों को रखे हेल्दी-

अरबी में एंटीऑक्सीडेंच बीटा-कैरोटीन और क्रिप्टोजैनथिन होते हैं, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाते हैं। यह आंखों की सेहत को बूस्ट करते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों में मौजूद कोशिकाओं की उम्र को बढ़ने नहीं देते हैं, जिससे मोतियाबिंद और मैकुलर डिजनरेशन की समस्या से बचाव होता है। अरबी के नियमित सेवन से आंखों को लंबी उम्र तक स्वस्थ रख सकते हैं।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल, इम्यूनिटी हो मजबूत-

यदि आपका रक्तचाप हाई रहता है तो आप अरबी का सेवन कर सकते हैं। इस सब्जी और इसके पत्तों में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। विटामिन सी और ई से भरपूर अरबी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इसे आप डाइट में शामिल करके हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर कई गंभीर रोगों और इंफेक्शन से बचे रह सकते हैं।

आंखें खोलकर क्यों सोते हैं बच्चे?

ये हैं कारण और उपचार

एक नई मां के मन को उसके नवजात शिशु से जुड़े कई सवाल दिन-रात परेशान करते रहते हैं। यह सभी सवाल बच्चे के खाने पीने से लेकर स्लीपिंग पैटर्न तक से जुड़े हुए हो सकते हैं, लेकिन इन सवालों से हटकर कई बार बहुत सारी मांएं अपने बच्चे को लेकर यह शिकायत करती हैं कि उनका बच्चा अपनी आंख खोलकर सोता है। मेडिकल भाषा में इस समस्या को नोकटर्नल लैगोफथाल्मोस के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं आखिर बच्चों के आंख खोलकर सोने के पीछे क्या है कारण, नुकसान और उसका सही उपचार।

आंख खोलकर सोने के कारण-
इस विषय पर हुए शोध की मानें तो बच्चों में खुली आंखों से सोने की आदत ज्यादातर उनके परिवार से आती है। अगर पेरेंट्स में से किसी एक को भी ये आदत है तो यह आदत बच्चे में भी आ जाती है। डॉक्टर्स की मानें तो कई बार चेहरे की कुछ नसों में दिक्कत होने पर भी बच्चों को ये परेशानी हो सकती है। लंबे समय से अगर आपका बच्चा इसी तरह सो रहा है तो डॉक्टर्स से सलाह जरुर लें। कई बार यूरोफेशियल सिंड्रोम का शिकार होने पर भी बच्चे में इस तरह की समस्या देखी जा सकती है। कई बार बेल्स पाल्सी के कारण भी बच्चों की आंखें खुली रहती हैं। इस स्थिति में चेहरे की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। जिसकी वजह से आंखों की पलकों को खोलने में दिक्कत महसूस हो सकती है।

आंख खोलकर सोने से बच्चे को होने वाले नुकसान
जो बच्चे आंख खोलकर सोते हैं उन्हें भविष्य में धुंधला दिखने की समस्या हो सकती है। ऐसे बच्चों को साफ देखने में परेशानी महसूस हो सकती है। दूसरा, जो बच्चे आंख खोलकर सोते हैं उन्हें अपनी आंखों में थकान महसूस हो सकती है। जिसकी वजह से उनकी आंखें थकी हुई लग सकती हैं। आंखें खोलकर सोने से बच्चों को आंखों में तेज दर्द के साथ भारीपन भी महसूस हो सकता है। आंखें खोलकर सोने वाले बच्चों को गहरी नींद नहीं आती है, जिसकी वजह से वो ज्यादातर समय उलझन और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं। आंखे खोलकर सोने से बच्चों की आंखों को आराम नहीं मिल पाता और वो लाल हो सकती हैं।

ऐसे रखें बच्चों का ख्याल
आंख खोलकर सोते हुए बच्चों की पलकों को धीरे से बंद करने की कोशिश करें। आंखों को नमी देने के लिए कुछ आई ड्रॉप्स की मदद से भी यह समस्या दूर कर सकते हैं। 18 महीने तक बच्चों में ये समस्या आम रहती है जिससे बच्चे को कोई खतरा नहीं है। इस दौरान औसतन बच्चे इसी तरह सूकून की नींद सोते हैं। जन्म के अगले 18 महीनों के बाद भी अगर बच्चे इसी पैटर्न में सोते हैं तो उन्हें बच्चों के डॉक्टर के पास लेकर जाएं।

निकले हुए पेट को वापस शेप में लाने के लिए रोजाना करें

चतुरंग दंडासन

निकला हुआ पेट न सिर्फ आपकी पर्सनालिटी खराब करता है बल्कि आपके आत्मविश्वास को भी कम कर देता है। लोग अपनी बॉडी को टोन और शेप में रखने के लिए कई तरह के जतन करते हैं। कभी जिम में घंटों एक्सरसाइज तो कभी स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करने लगते हैं। बावजूद इसके समस्या जस की तस बनी रहती है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो अपनी बॉडी को फ्लेक्सिबल बनाने के साथ शेप में वापस लौटाने के लिए रोजाना करें चतुरंग दंडासन।

चतुरंग दंडासन करने का तरीका-
चतुरंग दंडासन करने के लिए सबसे पहले योग मैट पर पेट के बल लेटकर भुजंगासन की तरह हाथों को जमीन पर रखें। अब पैरों की उंगलियों को जमीन की तरफ रखते हुए अपने शरीर का वजन उन उंगलियों पर ड़ाल दें। अब धीरे-धीरे दोनों घुटनों को ऊपर करते हुए सांस अंदर खींचते हुए हाथों पर वजन लाएं। आपके हाथ के ऊपरी हिस्से और हाथ के नीचे के हिस्से, दोनों के बीच में 90 डिग्री का कोण बनना चाहिए। इसके बाद बॉडी को फर्श के समांतर रखते हुए आधा मिनट इसी पोजीशन में बने रहने के बाद वापस पहली अवस्था में आ जाएं।

चतुरंग दंडासन करने के फायदे-
चतुरंग दंडासन को प्लैंक पोज के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन पेट को मजबूत करने के लिए बेस्ट योग आसन माना जाता है। चतुरंग दंडासन के नियमित अभ्यास से एब्स टाइट होते हैं, जिससे पेट एकदम फिट लगता है। चतुरंग दंडासन को नियमित करने से मन शांत रहता है। यह हाथ की कलाई को भी मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। चतुरंग दंडासन कंधे, पीठ और पैर की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर पीठ और कंधे का दर्द कम करने में भी मदद करता है।

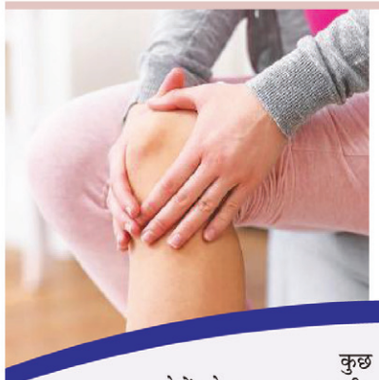

जोड़ों के दर्द से मिलेगा आराम डाइट में शामिल करें ये फूड

बढ़ती उम्र के साथ जोड़ों में दर्द वैसे तो आम बात है परंतु कई बार यह इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि व्यक्ति परेशान हो जाता है। पहले जहां सिर्फ बढ़ती उम्र में बुजुर्ग ही दर्द से परेशान होते थे आज कई युवा लोग भी दर्द से जुझते हैं। खाने-पीने में पोषक तत्वों की कमी, खराब लाइफस्टाइल, मोटापा और एक्सरसाइज न करने के कारण यह दर्द हो सकता है। इससे बचने के लिए सभी कई तरह की दवाईयों का सेवन करते हैं परंतु ज्यादा दवाईयां शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में दर्द दूर करने के लिए आप डाइट में कुछ फूड्स शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

हरी पत्तेदार सब्जियां

जोड़ों का दर्द दूर करने के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। इनमें कैल्शियम, विटामिन-के और मैग्नीशियम जैसे कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह जोड़ों में सूजन वाले एंजाइम को बनने से भी रोकती हैं जिससे जोड़ों में सूजन कम होती है। पालक, ब्रोकली, पत्तागोभी, केले का सेवन आप कर सकते हैं।

गुस्से पर काबू पाने के लिए धारण करें यह 1 रत्न

कुछ लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है। कुछ लोग गुस्से में कई बार कुछ गलत कदम उठा लेते हैं या शब्दों का उपयोग भी कर लेते हैं। कई बार गुस्से को शांत करना बेहद मुश्किल हो जाता है। रत्न शास्त्र के अनुसार, एक रत्न ऐसा भी है, जिसे धारण करने से गुस्से को काबू या शांत किया जा सकता है। यह रत्न चंद्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होने पर मानसिक स्थिति अच्छी रहती है। साथ ही फीलिंग्स को हैंडल करना भी आसान हो जाता है। किसी भी रत्न को धारण करने से पहले कुंडली में ग्रहों की स्थिति जरूर देखनी चाहिए। आइये जानते हैं रत्न शास्त्र के अनुसार, खुद को शांत रखने व गुस्से को काबू करने में कौन सा रत्न मददगार साबित हो सकता है-

गुस्से पर काबू पाने के लिए धारण करें यह 1 रत्न
रत्नशास्त्र के अनुसार, मोती धारण करने से मानसिक शांति मिलती है। चंद्रमा से संबंधित होने के कारण मोती रत्न भावनाओं (गुस्से) को काबू करने में भी मददगार साबित हो सकता हैं।

मोती धारण करने का दिन
चंद्रमा से संबंधित होने के कारण मोती को सोमवार के दिन धारण करना शुभ माना जाता है। वहीं, इसे धारण करने से पहले शुद्धि करना जरूरी माना जाता है।

मोती को किस धातु में धारण करें
मोती के रत्न को चांदी के धातु में जड़वा कर धारण किया जा सकता है।

कैसे करें धारण
सोमवार के दिन गंगाजल, दूध और शहद से पहले मोती की शुद्धि करें। फिर इसे शिव जी के चरणों में अर्पित कर दें। विधिवत पूजा-अर्चना करें। कुछ देर के बाद इस रत्न को धारण कर लें।

सुबह उठकर पिएं तुलसी की चाय

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है और इसकी पूजा की जाती है। तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें विटामिन ए, सी, कैल्शियम, जिंक, आयरन, फाइबर जैसे तत्व होते हैं, साथ ही इसमें बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण भी मौजूद होते हैं। तुलसी का धार्मिक तरह से तो कई महत्व हैं, लेकिन चाय के रूप में भी ये काफी फायदेमंद होती है। तुलसी की चाय में हीलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं। अगर पर रेगूलर दूध वाली चाय छोड़कर तुलसी की चाय पीते हो तो आपको कई सारी स्वास्थ समस्याओं से राहत मिलेगी। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

तुलसी की चाय पीने से सांस से जुड़ी समस्याओं में आराम मिलता है। फिर वो चाहे खांसी, जुकाम हो या फिर अस्थमा। इसके साथ ही तुलसी की चाय इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत करती है। वहीं तुलसी के पत्तों में खास तरह का ऑयल होता है जो जुकाम की वजह से होने वाले जकड़न को भी खत्म करता है। कई सारी स्टडीज में खुलासा हुआ है कि तुलसी की चाय स्ट्रेस को दूर करने में मदद करती है। तुलसी की चाय कार्टिसोल हार्मोन स्ट्रेस को बढ़ावा देने में मदद करता है, इसलिए इसे स्ट्रेस हार्मोन भी कहते हैं। यहीं नहीं तुलसी की चाय पीने से स्ट्रेस फ्री होने के साथ ही डिप्रेशन और एंजायटी में भी राहत मिलती है।

अगर आपके बॉडी में ब्लड शुगर लेवल ऊपर-नीचे होता रहता है तो रोज दूध वाली चाय पीने की बजाय तुलसी की चाय पीना शुरू कर दें। ये शुगर को ब्लड में एनर्जी की तरह इस्तेमाल करने में मदद करती है।

अगर आप बैड breath और मसूड़ों में सूजन, दांतों में कैविटी जैसी समस्या से परेशान हैं तो तुलसी की चाय पिएं। ये मुंह के बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है, जिससे मुंह की बदबू दूर होती है।

नौसैनिक परंपरा की याद दिलानेवाला विजयदुर्ग किला

हमारे प्राचीन राजवंशों की विजयगाथा और नौसैनिक परंपरा की याद दिलानेवाला विजयदुर्ग किला अब हाल ही में घोषित किए गए विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल हो गया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में युनेस्को मुख्यालय में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 47वें अधिवेशन के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज से संबंधित महाराष्ट्र के 11 और महाराष्ट्र के बाहर एक, कुल 12 किलों को युनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। महाराष्ट्र के किलों की गरिमा को यह वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और सांस्कृतिक कार्यमंत्री श्री आशिष शेलार की दूरदृष्टि, समन्वय और निरंतर प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान है। उनके प्रति हार्दिक आभार! इस सूची में शामिल विजयदुर्ग किला, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में वाघोटन नदी के मुहाने पर स्थित एक प्रमुख नौसैनिक किला है। प्राचीन काल से ही यह एक सुरक्षित व्यापारिक बंदरगाह के रूप में प्रसिद्ध रहा है। खारेपाटन, जो शिलाहार वंश की राजधानी थी, वहां तक नदी मार्ग से व्यापार होता था। इस कारण नदी के मुहाने पर स्थित यह किला व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण रखता था। ई. स. 1193 से 1206 के काल में कोल्हापुर के शिलाहार राजा भोज ने वाघोटन खाड़ी के तट पर एक प्राकृतिक टापू

जैसी पहाड़ी पर विजयदुर्ग का निर्माण करवाया। "जिसके पास नौसेना है, वही समुद्र का स्वामी है" – इस रणनीति को छत्रपति शिवराय भलीभांति समझते थे। उन्होंने सशक्त नौसैनिक किलों के महत्व को पहचाना और अपने राज्य के समुद्री क्षेत्रों की रक्षा हेतु मालवण से लेकर कल्याण तक तटीय चौकियों को सुदृढ़ किया। कुछ किले नए बनवाए और कुछ पुराने किलों का जीर्णोद्धार किया। इसी क्रम में विजयदुर्ग को उन्होंने विशेष महत्व देते हुए अपने अधीन किया। इस किले की एक पहाड़ी को "निशान टेकड़ी" कहा जाता है – 1653 में जब शिवराय ने यह किला जीता, तब उन्होंने इसी टेकड़ी पर स्वयं अपने हाथों से भगवा ध्वज फहराया था। उन्होंने विजयदुर्ग को एक सशक्त नौसैनिक अड्डा बनाने के लिए व्यापक निर्माण कार्य किए। वर्तमान में जिसे हम बालेकिल्ला कहते हैं, वह मूल दुर्ग है। इसका क्षेत्रफल लगभग 5 एकड़ है। शिवराय ने इसके चारों ओर तीन और परकोटे बनवाए, जिससे इसका कुल विस्तार 17 एकड़ 15 गुंठे तक पहुंच गया। समुद्री तरफ इसकी ऊंचाई 30 से 35 मीटर और मोटाई लगभग 2 मीटर है। इसमें 27 बुर्ज बनाए गए हैं। साथ ही समुद्र की उथली जगहों पर भी अतिरिक्त किलेबंदी की गई है, जिससे यह किला त्रिस्तरीय परकोटे के रूप में दिखाई देता है। इसके परकोटों में विशेष प्रकार की बंदूक चलाने की संरचना (जंग्या) बनाई गई है, जिससे एक साथ कई दिशाओं में फायर किया जा सकता है – यह दुर्ग वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है। इस किले को आधुनिक खगोलशास्त्र में भी विशेष मान्यता प्राप्त है। वर्ष 1898 के पूर्ण सूर्यग्रहण के समय यह पृथ्वी और सूर्य के बीच सबसे निकटतम स्थानों में से एक था, जहाँ से फ्रांस के वैज्ञानिक जॉन्सन और लॉकियर ने स्पेक्ट्रोस्कोप की मदद से सूर्य का अध्ययन किया। यहीं से "हेलियम" तत्व की खोज हुई थी। आज भी इस स्थल को हेलियम का जन्मस्थान माना जाता है और वैश्विक वैज्ञानिक संस्थान यहां अध्ययन के लिए आते हैं। समुद्र में निर्मित इसकी जल-रक्षा भित्ति भी शोध का विषय है। किले से 100-150 मीटर की दूरी पर, समुद्र की गहराई में 4-5 मीटर नीचे यह दीवार स्थित है। कुछ ब्रिटिश जहाज इसके कारण समुद्र में डूब गए थे, ऐसा उल्लेख ब्रिटिश और पुर्तगाली दस्तावेजों में भी मिलता है। 1989 में की गई एक समुद्री जांच में यह दीवार उजागर हुई। पत्थरों को एक के ऊपर एक जमाकर बनाई गई यह दीवार लगभग 400 मीटर लंबी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह या तो शिवकालीन (300 वर्ष पुरानी) है या उससे भी प्राचीन हो सकती है। आज, विभिन्न पहलुओं से विजयदुर्ग किला वैश्विक महत्व रखता है और अब युनेस्को की मान्यता ने इसे औपचारिक रूप से विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान किया है। यह सिंधुदुर्गवासियों के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष की बात है। इसलिए विजयदुर्ग का विश्व धरोहर स्थलों में समावेश एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण घटना है।

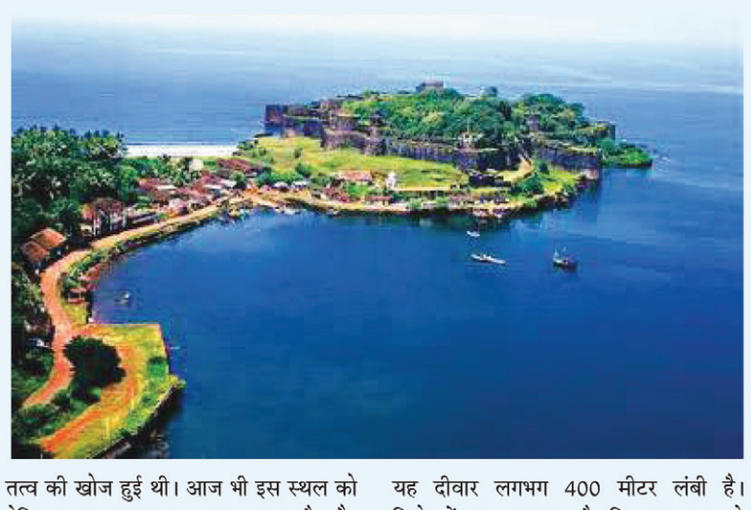

– रणजीत रमेश हिर्लेकर

खूबसूरती के साथ-साथ इतने करोड़ की मालकिन हैं ये भारतीय हसीनाएं

बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में तमाम ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जो कि अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं. यह एक्ट्रेस पूरे भारत में अपनी एक्टिंग और सुंदरता के लिए मशहूर हैं. हालांकि ये हसीनाएं करोड़ों की संपत्ति की भी मालकिन हैं. तो एक नजर डालते है इन एक्ट्रेसेस की नेटवर्थ पर.

दीपिका पादुकोण

भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत हसीनाओं की लिस्ट में पहला नाम दीपिका पादुकोण का है. दीपिका सिर्फ अपनी शानदार एक्टिंग के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सुंदरता के लिए भी जानी जाती हैं. दीपिका 500 करोड़ की संपत्ति की मालकिन है.

कटरीना कैफ

कटरीना कैफ का नाम भी इसमें शामिल है. वह फिल्मों के अलावा कॉस्मेटिक ब्रांड की भी मालकिन हैं, जिससे वह करोड़ों कमाती हैं. कटरीना 240 करोड़ संपत्ति की मालकिन हैं.

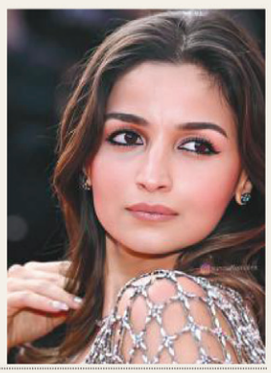

आलिया भट्ट

लिस्ट में दूसरा नाम आलिया भट्ट का है. आलिया भट्ट बॉलीवुड में कई हिट फिल्में दे चुकी हैं और वह नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं. एक रिपोर्ट्स के मुताबिक 550 करोड़ नेटवर्थ है.

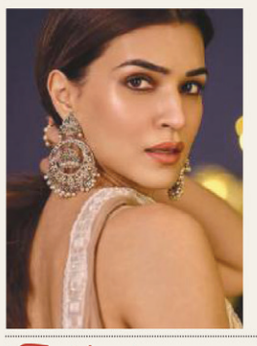

रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड में भी फेमस है. एक्ट्रेस की रिपोर्ट्स के अनुसार 66 करोड़ नेटवर्थ है.

कृति सेनन

एक्ट्रेस कृति सेनन भी फिल्मों के अलावा ब्यूटी ब्रांड से करोड़ों कमाती हैं. एक्ट्रेस 84 करोड़ की संपत्ति की मालकिन है.

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा जोनस आज ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं. हालांकि वह अभी भी बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हैं.वह कुल 585 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं.

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक हैं. उन्होंने तमाम हिट फिल्में दी हैं. श्रद्धा कपूर की नेटवर्थ 130 करोड़ है.

'उदयपुर फाइल्स' में लगाने होंगे 6 कट्स

बदले जाएंगे किरदारों के नाम और डायलॉग्स

विजय राज स्टारर 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर सुप्रीम कोर्ट की रोक बरकरार है। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी यह फिल्म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन यह विवादों की भेंट चढ़ गई। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र की ओर से आई सिफारिशों को मंजूरी दी है। सर्वोच्च अदालत ने फिल्म में 6 कट्स को लागू करने के आदेश दिए है।

अब इस ममाले में 24 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। उम्मीद यही है कि फिल्म में कट्स लगाए जाने के बाद इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो जाएगा। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी 'उदयपुर फाइल्स' पर रिलीज से ठीक एक दिन पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इसको लेकर निर्माताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। पहले तो सुप्रीम कोर्ट ने इसमें दखल देने से इनकार कर दिया था, लेकिन फिर केंद्र सरकार के निर्णय के बाद इस मामले को लेकर फिर से सुनवाई की गई। इसमें सरकार की सिफारिश के आधार पर फिल्म में 6 बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार की समिति ने 'उदयपुर फाइल्स' में जो 6 बदलाव के सुझाव दिए हैं, उसमें फिल्म की शुरुआत में डिस्क्लेमर में बदलाव शामिल है। इसके साथ ही फिल्म के क्रेडिट्स, AI जेनरेटेड सीन्स, किरदारों के नाम बदलने, नूतन शर्मा के डायलॉग्स सहित कई दूसरे संवादों में भी काट-छांट शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि मेकर्स इन सुझावों को जल्द से जल्द लागू करें। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में कट्स लगाए जाने का आदेश तो दिया है, लेकिन सूचना प्रसारण मंत्रालय के साथ सुनवाई पूरी होने के बाद रिलीज को लेकर अपना फैसला अभी भी सुरक्षित रखा है। इस बीच प्रोड्यूसर्स की ओर से अदालत में कहा गया कि रिलीज में देरी के कारण उनका काफी नुकसान हो रहा है। साथ ही इससे पाइरेसी का खतरा भी बढ़ गया है।

काजोल और ट्विंकल साथ लेकर आ रही हैं टॉक शो

फैंस बोले- अजय-अक्षय को करें रोस्ट

काजोल और ट्विंकल खन्ना एक नया टॉक शो लेकर आ रहे हैं और इसकी अनाउंसमेंट से ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। दरअसल, प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि एक टॉक शो आ रहा है जिसमें बॉलीवुड के बड़े सेलेब्स आने वाले हैं। इस अनाउंसमेंट में ट्विंकल और काजोल साथ नजर आ रहे हैं। फोटो में दोनों पर्दे को साइड करके शॉकिंग एक्सप्रेशन दे रही हैं। कैप्शन में लिखा है, इन्हें चाय मिल गई है और इसे आप मिस नहीं कर सकते। इस पोस्ट पर फैंस अपनी एक्साइटमेंट शेयर कर रहे हैं। एक ने लिखा कि ओएमजी येस...मेकी 2 फेवरेट पर्सनैलिटीज एक शो में। यह काफी क्रेजी और फनी होने वाला है। वहीं एक ने लिखा कि दोनों अजय और अक्षय को ट्रोल करने वाले हैं। एक ने यह भी ख्वाहिश रखी कि वह इन दोनों को एक कॉमेडी फिल्म में देखने चाहते हैं। बता दें कि काजोल और ट्विंकल दोनों ही काफी फनी पर्सनैलिटी हैं। दोनों खूब मस्ती करती हैं और जब दोनों साथ आएंगी तो माहौल मजेदार ही होने वाला है। काजोल की फिल्मों की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म मां में नजर आई थीं जो हॉरर फिल्म थी। फिल्म में काजोल के साथ इंद्रनील सेनगुप्ता और रोनित रॉय भी थे। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 50 करोड़ की कमाई की थी। अब काजोल फिल्म सरजमीं में नजर आने वाली हैं जिसमें उनके साथ सुकुमारण और इब्राहिम अली खान लीड रोल में हैं। फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। ट्विंकल की बात करें तो उन्होंने काफी समय पहले फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। अब वह बतौर ऑथर काम कर रही हैं। उनकी कई बुक्स रिलीज हुई हैं जिन्हें अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

एली अवराम को कभी डेट नहीं कर सकते आशीष चंचलानी

बोले- पागल कुत्ते ने नहीं काटा

यूट्यूबर आशीष चंचलानी हाल ही में तब काफी चर्चा में आए जब उन्होंने एली अवराम के साथ फोटो शेयर की है। दोनों की फोटो देख सबको लगा कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। ना तो आशीष और ना ही एली ने इस पर सफाई दी, लेकिन फिर कुछ दिनों के बाद आशीष ने बताया कि दोनों का गाना आ रहा है चांदनिया। इसके बाद दोनों को काफी ट्रोल भी किया गया और अब तो आशीष ने यह तक बोल दिया कि वह कभी एली को डेट नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'मैं कभी एली को डेट नहीं कर सकता। मुझे पागल कुत्ते ने नहीं काटा है क्योंकि एली के साथ काम करना मतलब शेर के मुंह में हाथ डालना जैसा है। उनके साथ काम करना काफी मुश्किल था।' आशीष ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनका प्रैंक इतना हाइलाइट हो जाएगा। उन्होंने कहा मुझे लगा कि सबके साथ प्रैंक करूं, लेकिन जब मीडिया में यह बात आ गई तो मामला बड़ा हो गया। उन्होंने आगे यह भी क्लीयर किया कि एली के पैरेंट्स सच जानते थे। लाइव के दौरान ही आशीष, एली से पूछते हैं कि इतना सब होने के बाद क्या उनके दिमाग में नहीं आया कि सच में मुझे डेट करना चाहिए। तो इस पर एली उन्हें घूरती हैं और फिर बोलती हैं कि ओके छोड़ो, मैं कभी इन्हें नहीं डेट कर सकता। बता दें कि जब सबको पता चला कि दोनों ने फेक पोस्ट किया तो कई ने एली को टारगेट किया और उनको लेकर नेगेटिव कमेंट्स किए। एक यूजर ने आशीष को कमेंट किया कि भाई सीरियसली बोल रहा हूं, एकदम घटिया गाना था और इसके लिए तूने प्रैंक किया और तेरे फैंस और फॉलोअर्स ने इस बंदी का कैरेक्टर एसेसिनेशन किया और तू चुप है। इस पर आशीष ने जवाब दिया, मैं क्लीयर करना चाहूंगा आप सबके सामने कि मैंने कोई गलती नहीं की है। जो लोग मेरे कमेंट सेक्शन में कमेंट कर रहे हैं वो ना तो मेरी ऑडियंस है और ना फॉलोर्स या फैंस। उनमें से आधे तो मुझे फॉलो भी नहीं करते हैं।

सैयारा ने मंडे की कमाई में छावा को पछाड़ा

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा मंडे टेस्ट में पास हो चुकी है। रिलीज के बाद पहला सोमवार शानदार रहा। इसके साथ ही फिल्म ने टोटल 108.75 करोड़ का नेट बिजनस (भारत में) कर लिया है। वीकेंड में सैयारा मूवी का ग्राफ बढ़ने के बाद लोगों की नजर मंडे कलेक्शन पर टिकी थी। इस दिन फिल्म ने 24.25 करोड़ रुपये कमा लिए। इसके साथ ही सैयारा इस साल की बड़ी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है।

मंडे कमाई के मामले में इसने छावा को पछाड़ दिया है। वहीं तरण आदर्श का कहना है कि फिल्म मंगलवार को इतिहास बना सकती है। इसकी वजह भी बताई। मोहित सूरी की फिल्म सैयारा के इंडस्ट्री भर में चर्चे हैं। मूवी को काफी माउथ पब्लिसिटी मिल चुकी है और ताबड़तोड़ कमाई जारी है। अब मूवी बिजनस ऐनालिस्ट तरण आदर्श ने सैयारा की मंडे की कमाई पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है, फिर से ऐतिहासिक, सैयारा का रिकॉर्ड बुक्स को फिर से लिखना जारी है। मंडे को भी फिल्म ने धमाल मचा दिया- ये वर्किंग डे था, फिर भी फिल्म ने थमने का कोई सिग्नल नहीं दिया। सोमवार का आंकड़ा शुक्रवार से ज्यादा है, यह अविश्सनीय है। तरण ने आगे लिखा है, न सिर्फ सबसे बड़ी ओपनर, न सिर्फ सबसे बड़ा वीकेंड सैयारा न्यूकमर्स की पहले मंडे को कमाई करने वाली सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। इतना ही नहीं सैयारा के सोमवार के नंबर्स हाउसफुल 5, रेड 2 और सितारे जमीन पर...इन सबसे आगे है। इतना ही नहीं सैयारा ने मंडे की कमाई में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म छावा (पहला मंडे 24 करोड़) को भी पछाड़ दिया है।

पवन कल्याण की फिल्म में राशि खन्ना की एंट्री

श्लोका बनकर पर्दे पर मचाएंगी धूम

तेलुगू सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण जहां एक ओर अपनी फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' की रिलीज को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं उनकी अगली फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर भी सुगबुगाहट तेज हो गई है। ताजा जानकारी ये है कि हरीश शंकर के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में राशि खन्ना की एंट्री हुई है। मेकर्स ने फिल्म से राशि का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया है। साल 2013 में 'मद्रास कैफे' से एक्टिंग डेब्यू करने वाली राशि का साउथ सिनेमा में बड़ा नाम है। वह इसी साल फरवरी में तमिल फिल्म 'अगथिया' में नजर आई थीं। मेकर्स ने 'उस्ताद भगत सिंह' में राशि खन्ना के लुक के साथ ही उनके किरदार के नाम का भी खुलासा किया है। पवन कल्याण की फिल्म में उनके किरदार का नाम श्लोका है। यह पहला मौका जब राशि और पवन कल्याण पर्दे पर एकसाथ नजर आएंगे।

सोशल मीडिया पर राशि खन्ना का पोस्टर सामने आते ही फैंस की बांछे खिल गई हैं। कुछ ही घंटों में इंस्टाग्राम पर पोस्ट 89 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। मेकर्स ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'टीम उस्ताद भगतसिंह, राशि खन्ना का 'श्लोका' के रूप में स्वागत करती है। शूटिंग शुरू।' बताया जाता है कि राशि खन्ना ने हैदराबाद में पवन कल्याण के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह शूट जुलाई महीने के अंत तक चलेगी। निर्माता अगस्त के पहले हफ्ते तक राशि के हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेना चाहते हैं। 'मैत्री मूवी मेकर्स' के बैनर तले बनी इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश, गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

वाणी कपूर को स्किन टोन को लेकर किया गया शर्मिंदा

दुबले होने पर निर्माता के सुनने पड़े ताने

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर लगातर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान उनके साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर खुलकर बातचीत की।

वाणी कपूर ने सुनाई अपनी आपबीती

वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक फिल्म से उन्हें इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उनका रंग 'गोरा' नहीं था। एक फिल्म निर्माता ने कहा कि वह उस किरदार के लिए गोरी नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें बहुत पतली होने के लिए भी ताने सुनने पड़े थे। लोग अक्सर कहते थे कि उन्हें वजन बढ़ाना चाहिए, क्योंकि लोगों को भरे हुए शरीर वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं। इस सभी बातों को लेकर वाणी का कहना है, 'वह खुद से खुश हैं और जैसी हैं, वैसे ही रहना चाहती हैं। वह फिट और स्वस्थ हैं और ऐसी बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।' वाणी इन दिनों अपनी नई क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मंडला मर्डर्स के प्रचार में व्यस्त हैं। इस सीरीज में वह एक तेज-तर्रार जासूस की भूमिका में हैं। यह सीरीज रहस्यमय हत्याओं की कहानी दिखाती है, जो एक गुप्त समाज से जुड़ी हैं।

इस सीरीज में वाणी के अलावा सुरवीन चावला, वैभव राज गुप्ता, श्रिया पिलगांवकर और जमील खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'मंडला मर्डर्स' 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का फर्स्ट लुक पोस्टर

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की नई फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' का वर्ल्ड प्रीमियर 4 से 14 सितंबर 2025 तक होने वाले 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। इस फिल्म को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है और इसमें बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। ये इस प्रोजेक्ट की पहली ऑफिशियल अनाउंसमेंट है, जिसमें फिल्म का टाइटल और स्टारकास्ट दोनों का खुलासा किया गया है। 'बंदर' के मेकर्स ने फिल्म से बॉबी देओल के इंटेंस लुक की पहली झलक शेयर की। ये भी अनाउंस किया कि फिल्म का सिलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ है।

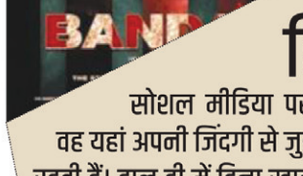

हिना खान ने दी अपने अपकमिंग सीरियल की जानकारी

हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह यहां अपनी जिंदगी से जुड़ी कई अपडेट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में हिना खान ने सोशल मीडिया पर अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि हिना खान हल्के हरे रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। लहंगे पर गोल्डन कढ़ाई है। उन्होंने डार्क मेकअप किया है और अपने बाल खुले छोड़े हैं।

पोस्ट के जरिए दी अपडेट

हिना खान ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने जिस रंग का लहंगा पहना है, उनके आस-पास उसी रंग की दीवारें हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए हिना खान ने कैप्शन में लिखा है 'देसी ग्लैमर। 22 अगस्त 2025 से 'पति, पत्नी और पंगा' आ रहा है, उसे देखना मत भूलना। इसमें बहुत मजा आने वाला है।'

यूजर्स को पसंद आईं हिना की तस्वीरें

हिना खान की तस्वीरों को उनके फैंस लाइक कर रहे हैं और इस पर कई कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'पति, पत्नी और पंगा के लिए बहुत उत्साहित हूं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आप परी की तरह लग रही हो' एक और यूजर ने लिखा है 'रानी हमेशा रानी रहती है।' कई दूसरे यूजर्स ने उन्हें अक्षरा कह कर बुलाया है और उनकी तस्वीरों पर दिल वाला इमोजी कमेंट किया है।

खबर-खास

श्री रामलला दर्शन योजना: 64 तीर्थयात्रियों के दल को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए किया गया रवाना

मुंगेली(समय दर्शन) श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत जिले के 64 तीर्थयात्री अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने तीर्थ यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में इन सभी तीर्थयात्रियों को दो बसों के माध्यम से बिलासपुर रेल्वे स्टेशन तक भेजा गया। वहां से सभी स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उप संचालक भूमिका देसाई ने बताया कि तीर्थयात्रियों का पुष्पाहार से स्वागत कर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष राम कमल सिंह परिहार, पवन पाण्डेय, दीनानाथ केशरवानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने के लिए श्रीरामलला दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत तीर्थयात्रियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन कराया जाता है। सभी तीर्थयात्रियों को रास्ते में खाने-पीने, अयोध्या में ठहरने और दर्शन के बाद वापस घर तक नि:शुल्क पहुंचाया जाता है।

अगम अनंत कुंडा कांग्रेस के प्रभारी बने

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आदेश व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. अकबर एवं जिला प्रभारी गुरु रुद्र कुमार पूर्व कैबिनेट मंत्री व जिला कांग्रेस अध्यक्ष होरी साहू के मार्गदर्शन में पार्टी में संगठनात्मक मजबूती के लिए मंडल कमेटी/ सेक्टर प्रभारी एवं बूथ कमेटी में योग्य व कर्मठ कार्यकर्ताओं को ज़िम्मेदारी दिया जाना अर्थात् कमिटी का गठन किया जाना है उक्त कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर मूर्त देने के लिए ब्लॉक कांग्रेस क्षेत्र कुंडा की जवाबदारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अगमदास अनंत को दिया गया निश्चित तौर पर अनुभवी लोगो के माध्यम से सही कार्यकर्ता को संगठन में कार्य करने का अवसर मिलेगा और पार्टी को भी मजबूती मिलेगी।

फिज़िक्सवाला ने किया PWNSAT 2025 की घोषणा - भिलाई में NEET और JEE अभ्यर्थियों के लिए स्कॉलरशिप का अवसर

भिलाई। एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने PWNSAT (फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट NEET-UG और IIT-JEE के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रयास है ताकि शिक्षा और मार्गदर्शन को सभी छात्रों तक पहुँचाया जा सके, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। यह पहल भिलाई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान घोषित की गई, जहाँ छत्तीसगढ़ के पीडब्ल्यू रीजनल हेड, पीडब्ल्यू विद्यापीठ भिलाई के सेंटर हेड और बिज़नेस हेड एक साथ उपस्थित हुए और उन्होंने PWNSAT 2025 के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, शहर के कई स्कूलों के प्राचार्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। PWNSAT 2025 एग्ज़ाम ऑनलाइन और ऑफ़्लाइन दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से दे सकें। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफ़्लाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जो पीडब्ल्यू के सभी विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स पर होगी। यह रजिस्ट्रेशन मुफ़्त है और कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही 12वीं पास कर चुके छात्र, चाहे वे पीसीएम स्ट्रीम के हों या पीसीबी के, सभी के लिए खुला है। परीक्षा का परिणाम 25 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा। अलख पांडे, फिज़िक्सवाला के फाउंडर, सीईओ और एजुकेटर ने कहा, कई छात्र अपनी क्षमता के बावजूद सिर्फ आर्थिक कारणों से अपने सपनों को छोड़ देते हैं। PWNSAT 2025 के ज़रिए हम इसे बदलना चाहते हैं। हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। इस इनिशिएटिव के माध्यम से हम हर छात्र तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यह बताने कि उनके सपनों की अहमियत है और हम उनके साथ हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति का उत्सव हरेली पर्व-विजय शर्मा

नपा की नारियल फेंक प्रतियोगिता में नासिर ख़ान ने जीता प्रथम पुरस्कार

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी एवं नगर पालिका परिवार ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पहले त्यौहार हरेली पर कवर्धा में एक अनोखी और रोमांचक प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, विश्वहिंदू परिषद के चंद्रशेखर वर्मा उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हरेली पर्व पर नगर पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम का आनंद लेकर नारियल फेंककर कार्यक्रम की शुरुवात की और सभी क्षेत्रवासियों को हरेली पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दिए साथ ही प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, यह छत्तीसगढ़ की आत्मा है। यह त्यौहार हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है खेत, किसान, बैल, हल, और हर वह चीज़ जो हमारी पहचान बनाती है। आज जब हम विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब यह जरूरी है कि हम अपनी सांस्कृतिक नींव को न भूलें। हरेली जैसे पर्व हमें याद दिलाते हैं कि परंपरा और प्रगति साथ चल सकती है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएँ- नगर पालिका

अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन माँ महामाया मंदिर के पास से शुरू हुआ, जिसमें जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने नगरवासियों को हरेली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आप सभी के जीवन में हरियाली, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। हमारा प्रयास है कि ऐसे पारंपरिक पर्वों को नई पीढ़ी से जोड़ा जाए, ताकि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण्ण बनी रहे। नारियल फेंक प्रतियोगिता जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने की दिशा में एक छोटा-सा प्रयास है।

विजेता प्रतिभागियों को मिला पुरस्कार- नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखना और युवाओं को पारंपरिक खेलों से जोड़ना रहा। उन्होंने बताया की विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें प्रथम पुरस्काररू ?3001/ नासिर ख़ान, द्वितीय पुरस्काररू ?2001/- प्रवीण साहू, तृतीय पुरस्काररू ?1001/- बालक जांगड़े को दिया गया। प्रतियोगिता का आयोजन नगर पालिका परिषद कवर्धा व पार्षदगणों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी भाग लिया और आयोजन को सफ़ल बनाया। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और दर्शकों का आभार जताया और कहा कि भविष्य में भी ऐसे पारंपरिक आयोजनों को और अधिक भव्य रूप दिया जाएगा ताकि छत्तीसगढ़ की संस्कृति जीवंत बनी रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका सभी जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला बछेरा में हैप्पी रैनी डे एवं गेड़ी डे का पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) शासकीय प्राथमिक शाला बछेरा में आज वर्षा ऋतु के स्वागत में हैप्पी रैनी डे एवं गेड़ी डे का आयोजन किया गया। यह आयोजन सहायक शिक्षक लक्ष्मी कांत जड़ेजा के मार्गदर्शन में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोक परंपरा को आत्मसात करते हुए संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत में जड़ेजा द्वारा विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु का महत्व, इसके प्राकृतिक लाभ तथा दैनिक जीवन में उपयोगिता के बारे में सरल और प्रभावशाली ढंग से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्षा जल, जंगल और जमीन के लिए वरदान है, जिससे न केवल खेती किसानी को लाभ मिलता है, बल्कि पर्यावरण भी हरा-भरा बना रहता है। वर्षा के अभाव में उत्पन्न होने वाली समस्याओं और सूखे की भयावहता को भी बच्चों को सहज भाषा में समझाया गया।इसी अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम पारंपरिक पर्व 'हरेली' की भी सुंदर झलक देखने को

मिली। हरेली तिहार, जो हरियाली, समृद्धि और कृषि संस्कृति का प्रतीक है, उसके उपलक्ष्य में गेड़ी दौड़, भौंरा, पिट्ठुल, फुगड़ी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन कर बच्चों को हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ा गया।कार्यक्रम में छाता दौड़ में सविता साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गेड़ी दौड़ में दिनेश्वर साहू अव्वल रहे, वहीं भौंरा प्रतियोगिता में हिमांशु, पिट्ठुल में नमन और खो-खो में आशी ने प्रथम स्थान अर्जित कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रधान पाठक जागेश्वर साहू, सहायक शिक्षक लक्ष्मी कांत जड़ेजा एवं श्रीमती विमलेश्वरी यादव ने सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक पेन भेंट किया।बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और हर्ष की झलक देखने योग्य थी। पूरे आयोजन में छत्तीसगढ़ी तिहार, लोक खेल और प्रकृति प्रेम का सुंदर समन्वय दिखाई दिया, जिसने नन्हे विद्यार्थियों के मन में अपनी माटी और परंपराओं के प्रति गौरव और अपनत्व की भावना को गहराई से संजो दिया।

हरेली तिहार, पारंपरिक खेल, छाता दौड़, गेड़ी दौड़, वर्षा ऋतु, जल जंगल जमीन, पिट्ठुल, फुगड़ी, खोखो, सांस्कृतिक विरासत, छत्तीसगढ़ी परंपरा, लोक उत्सव, पर्यावरण चेतना।

एग्जीक्यूटिव सेंटर इंडिया लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया, इक्विटी शेयरों के नए निर्गम के जरिए 2,600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

भारत में वर्तमान में कार्यरत फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटरों के बीच प्रीमियम फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस समाधानों की पेशकश में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों में से एक,एक्जीक्यूटिव सेंटर इंडिया लिमिटेड ने मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया है। इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) में 2 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य ?2600 करोड़ है। कंपनी इस निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अपनी प्रत्यक्ष सहायक कंपनी TEC अबू धाबी में निवेश के लिए करेगी, ताकि ञ्जश्वष्ट सिंगापुर और TEC दुबई – जो वर्तमान में कंपनी के एक कॉरपोरेट प्रमोटर, TEC सिंगापुर द्वारा नियंत्रित दो स्टेप-डाउन सहायक कंपनियां हैं - के अधिग्रहण की आंशिक भुगतान राशि को वित्तपोषित किया जा सके। यह लेनदेन आंतरिक पुनर्गठन समझौते की शर्तों के अनुसार किया जा रहा है। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। एक्जीक्यूटिव सेंटर इंडिया लिमिटेड भारत में 2008 से कार्यरत है और TEC समूह का हिस्सा है, जिसे स्पेस-एज़-ए-सर्विस प्रदान करने में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।

कलेक्टर सिंह ने योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश, 30 जुलाई को मुरमुंदा में होगा शिविर

रजत जयंती वर्ष को लेकर सभी विभागों को कार्य योजना बनाने के दिए निर्देश

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कामकाज की समीक्षा की

दुर्ग/समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में बुधवार को समय-सीमा की बैठक आयोजित कर विभागवार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों और लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए और 30 जुलाई को मुरमुंदा में शिविर लगाकर ग्रामीणजनों को उनके आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी दी जाए। ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी

क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आगे से समस्त नयी फाइले ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएं। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को लेकर उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार की जाए और उनके आधार नंबर तथा बैंक खाता विवरण पहले से एकत्र कर लिए जाएं। ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को तैयारी रखने को कहा गया ताकि पोर्टल खुलते ही पंजीयन की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जा सके। रजत जयंती वर्ष के आयोजनों को लेकर कलेक्टर ने सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार करने और कार्यक्रमों में नवाचार के साथ अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों में अनुपचारित जल प्रबंधन के लिए परियोजना प्रस्ताव जल्द तैयार करने को कहा गया। उन्होंने 400 केव्ही डबल सर्किट पावरग्रिड रायपुर-पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लाइन के अंतर्गत प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी से विद्यार्थियों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र बनाकर विद्यालयों में वितरण की योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त प्रकरणों को संबंधित तहसीलों को शीघ्र भेजा जाए ताकि सत्यापन कर प्रमाण पत्र तैयार किए जा सकें। इसके अलावा स्कूलों में शिविर लगाकर विद्यार्थियों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट करने को भी कहा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सिकलिंग जांच की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए गए। वहीं श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के तहत 6 अगस्त से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। जिला साक्षरता अधिकारी को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SANJAY KUMAR JAIN S/O BHIKAM CHAND JAIN resident of H.NO.1352 WARD NO.8, SHANTI PARA BHILAI 3, Dist-Durg(C.G.) 490021,have changed my old name SANJAY JAIN S/O BHIKAM CHAND JAIN TO SANJAY KUMAR JAIN S/O BHIKAM CHAND JAIN so in future I should be recognized by my new name that is SANJAY KUMAR JAIN S/O BHIKAM CHAND JAIN in all Government and other documents.

SANJAY KUMAR JAIN S/O BHIKAM CHAND JAIN resident of H.NO.1352 WARD NO.8, SHANTI PARA BHILAI 3, Dist-Durg(C.G.) 490021

भावना बोहरा कांवड़ यात्रियों के साथ चौथे दिन पहुंची गौरकांपा से मोहतरा, शिवभक्तों ने की पुष्पवर्षा

कवर्धा (समय दर्शन)। माँ नर्मदा मंदिर, अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर कांवड़ यात्रा के चौथे दिन गुरुवार को पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों ने गौरकांपा स्थित शनिदेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर मोहतरा पहुंचा। इस दौरान गौरकांपा, करपीकला, बम्हनदेई और मोहतरा में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, सामाजिक व हिन्दू संगठनों तथा क्षेत्रवासियों द्वारा भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि सबके जीवन में सुख-समृद्धि का वास हो। छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो इसी कामना के साथ और हमारी आने वाली पीढ़ियों को सनातन संस्कृति, हमारी धार्मिक आस्था,परंपरा एवं रीती-रिवाजों से अवगत कराना हमारा उद्देश्य है। यह यात्रा मेरे लिए माँ नर्मदा और भोलेनाथ बाबा के प्रति कृतज्ञता का एक विनम्र प्रयास है और आज उनकी ही कृपा से हमारी यह पुण्य यात्रा शुरू हुई है। इस पदयात्रा के माध्यम से मैं पंडरिया विधानसभा और पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-शांति और

समृद्धि की प्रार्थना करती हूँ। इस यात्रा में मेरे साथ सैकड़ों कांवड़ यात्री और शिवभक्तों ने भी मेरे इस संकल्प पूर्ति में अपना बहुमूल्य सहयोग निभाया है तो वहीं जिन क्षेत्रों से हिकार यह यात्रा गुजरी है वहां विभिन्न सामाजिक व हिन्दू संगठन, भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने भव्य स्वागत कर हमारी इस यात्रा को बल दिया है जिसके लिए मैं सभी का आभार एवं अभिनंदन करती हूँ।

यात्रा के चौथे दिन भी सभी के अंदर वही उर्जा और भगवान भोलेनाथ के प्रति भक्ति का संचार स्पष्ट दिखाई दे रहा है और सभी बोल बम के नारे लगते हुए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए निरंतर अपनी यात्रा पर गतिमान हैं। मुझे विश्वास है कि आपके साथ और भोलेनाथ के आशीर्वाद से यह यात्रा निश्चित ही सफ्ल होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस संकल्प और छत्तीसगढ़ वासियों के जीवन में सुख-शांति और हमारे प्रदेश की समृद्धि के लिए यह हमारी यात्रा माँ नर्मदा एवं भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से जरुर पूरा होगा। डोंगरिया महादेव और भोरमदेव महादेव जी का जलाभिषेक कर इस यात्रा की समाप्ति होगी। सभी कांवड़ यात्रियों ने हर हर महादेव और बोल बम के नारे के साथ नव उत्साह और ऊर्जा के साथ भगवान भोलेनाथ और माँ नर्मदा के आशीर्वाद से दिन-प्रतिदिन हमारी यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है।

आज पांचवे दिन होगा डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक- यात्रा के पांचवे दिन इस दौरान 300 से अधिक कांवड़ यात्री भावना बोहरा के साथ उनकी इस यात्रा में सहभागी बनें हैं। सभी ने बड़े ही उत्साह और उर्जा के साथ बोल बम और हर हर महादेव के नारे के साथ यात्रा की शुरुआत करते हुए तेज बारिश एवं जंगलों के रास्ते छत्तीसगढ़ वासियों एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के संकल्प के साथ यात्रा के लिए प्रस्थान किया। यात्रा के पांचवे दिन मोहतरा से डोंगरिया महादेव तक कांवड़ यात्रा की जाएगी जहाँ डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान पत्थलगांव की विधायक श्रीमती गोमती साय जी ने भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा और सभी कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर उनके साथ पद यात्रा में शामिल हुईं और मंगलमय यात्रा के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

न्यायालय नायब तहसीलदार सहसपुर लोहारा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// उदघोषणा //
रा.प्र.क 202507083200019
अ-6 वर्ष 2024-25
साकिन करही प.ह.नं. 37

एतद् द्वारा सर्वधारणा को सूचित किया जाता है कि आवेदक हिरेन्द्र चंद्राकर पिता भारत जाति कुर्मी निवासी ग्राम करही तहसील स.लोहारा जिला कबीरधाम ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राग करही प.ह.नं. 37 रा.नि.मं. ठाठापुर में वसीयतकर्ता भक्कू पिता इद्रांम जाति कुर्मी के नाम भूमि स्वामी हक की कृषि भूमि ख.न. 67, 120, 121/1, 139, 173/1, 188/1, 276 रकबा कमश: 0.040, 0.316, 0.364, 0.040, 0.206, 0.186, 0.223 हे. कुल ख.नं. 07 कुल रकबा 1.375 हे. स्थित है। वसीयतकर्ता के द्वारा दिनांक 28.11.2020 को दो गवाहो के समक्ष पंजीकृत वसीयतनामा आवेदक एवं शिशल बाई पिता भक्कू चंद्राकर के पक्ष मे संपादित किया गया था। वसीयतकर्ता की मृत्यु दिनांक 10.11.2023 को हो गई है। अत: उक्त वाद भूमि में से वसीयकर्ता का नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित कर वसीयतप्राप्तकर्ता का नाम अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदक के द्वारा पंजीकृत वसीयनामा की फ्रेटो कापी के साथ वाद भूमि का बी-1, खसरा एवं तलवाना प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनांक 31.07.2025 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वह अपना दावा आपत्ति स्वयं अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम से पेशी तारिख 31.07.2025 के पूर्व दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.07.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एंव न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 18.07.2025
पेशी तारीख :- 31.07.2025

मुहर

ना. तहसीलदार
सहसपुर लोहारा

संक्षिप्त-खबर

बसना मण्डल के सिंघनपुर मे बूथ स्तरीय बैठक

बसना (समय दर्शन)। आज भाजपा जिला अध्यक्ष ऐतराम साहू के आदेशानुसार बसना मंडल के अन्तर्गत ग्राम सिंघनपुर में बूथ स्तरीय बैठक रखा गया |बूथ क्रमांक 160 में बैठक किया गया। बसना मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना बंद कर दी थी। अब भाजपा सरकार ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति हो चुकी है। जो मिलना शुरू हो गया है, जिससे आम जनता खुश हैं। भाजपा के केंद्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं को घर घर तक जाकर पहुचाने का संकल्प लिया हूं। ग्राम प्रमुख टीकाराम कश्यप ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने गरीबों के लिए महतारी वंदन योजना एवं भूमि योजनाओं लाभ मिला उन्होंने यह भी कहा कि, भाजपा सरकार के समय से गरीबों और मजदूरो के जीवन में बहुत सुधार हुआ है जहां पूर्व में उनके पास साइकल भी नहीं थी अब मोटरसाइकिल मालिक बन गए है। बैठक में बसना भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, महामंत्री उर्मिला सरोज पटेल, ग्राम प्रमुख टीकाराम कश्यप, मंडल मंत्री अरुण स्वर्णकार, मिडिया प्रभारीशुकदेव वैष्णव, बूथ अध्यक्ष बंशीधर मुखर्जी , महेंद्र सोनी रतीलाल पटेल, सुरेश बीसी, सतीश कश्यप, प्रवीण भोई, जयंत सांड, राजेश बाघ, कुंदन सोनी , शिशुपाल सिदार एवं भारतीय जनता पार्टी के जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता तथा देवतुल्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं में प्रवेश परीक्षा 2026 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई, परीक्षा 13 दिसंबर को

महासमुंद (समय दर्शन)। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा कक्षा 6वीं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभिभावक एवं विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट टृइ्1श्रस्रइ4इ.दश्1.द्वटृ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने का यह सुनहरा अवसर उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए है जो गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं ।

आवेदन की अंतिम तिथि ङ्क 29 जुलाई 2025 प्रवेश परीक्षा तिथि ङ्क 13 दिसंबर 2025 (शनिवार)

प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी का जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही, विद्यार्थी वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए।अभिभावकों से अनुरोध है कि वे समय रहते आवेदन करें ताकि उनके बच्चे इस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पा सकें।

एक पेड़ मां के नाम : गोडपेंड्री में किया वृहद पौधारोपण

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत गोडपेंड्री के सभी प्रति निधि वा महिला समूह के महिलाए एक पेड़ मां के नाम से रोपित किए सभी यह भी निर्णय लिए की पेड़ लगाए है तो इस का देख भाल की जिम्मे दारी भी हमारी है साथ ही यह भी निर्णय लिया गया की गांव में और भी जगह चयनित कर पेड़ लगाने का कार्य गांव के महिलाओं को सौप कर रोजगार उपलब्ध कराएंगे।

दिल्ली में गूंजा जय छत्तीसगढ़, सांसद विजय बघेल के निवास में सांसदों ने मनाया हरेली पर्व

पाटन (समय दर्शन)। दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल जी आज केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के दिल्ली निवास में आज छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली हर्षोल्लास के साथ मनाया। सांसद साथियों के साथ गौ माता एवं कृषि औजारों का पूजा अर्चना कर समस्त जनमानस के लोकमंगल की कामना की। इस अवसर पर सभी सांसद साथियों को हरेली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर में हरेली के अवसर पर खेल का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखंड के सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कृषि प्रधान प्रथम पर्व हरेली के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य देवेंद्र सेठ द्वारा छात्रों को दैनंदिनी लेखन पर मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने दैनंदिनी के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर विद्यार्थियों को रोचक जानकारी प्रदान की । इसके पश्चात संस्था के प्राचार्य कमल स्वर्णकार ने पालक संपर्क के विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि, विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हम पालक संपर्क क्यों और कैसे करें। इस चर्चा सत्र में सभी आचार्य और दीदीयो का विशेष सहयोग रहा।

विद्यालय परिसर मे हरेली पर्व के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर खेल मैदान मे आयोजित खेल स्पर्धा में विद्यार्थियों ने बड़ चढकर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रकार के खेल जैसे रस्सा खींच, गुब्बारा फेड़, खो-खो, घंटी दौड़ आदि ।

तत्पश्चात संस्था के प्राचार्य कमल स्वर्णकार के द्वारा हरेली त्यौहार के विषय में कहा कि हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है जो कृषि, पर्यावरण,सामाजिक एकता और पारिवारिक जुड़ाव को दर्शाता है। इसके बाद प्रधानाचार्य मोतीलाल यादव के द्वारा इस पर्व के महत्व को बताया कि, यह पर्व छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन में विशेष महत्व रखता है और इसे कई पीढियों से मनाते आ रहे हैं।

इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में सभी आचार्य एवं दीदीयों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य मोतीलाल आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

स्वामी रामतीर्थ मिशन में पट्टाभिषेक समारोह मे शामिल हुए बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

देहरादून (समय दर्शन)। आध्यात्मिक चेतना और सेवा समर्पण के प्रतीक स्वामी रामतीर्थ मिशन में पट्टाभिषेक समारोह में डॉ. स्वामी शिवेंद्र दास जी का मिशन के अखिल भारतीय परमाध्यक्ष पद पर विधिवत अभिषेक किया गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक गरिमा का प्रतीक रहा, बल्कि देशभर से पधारे संतों, संत-महापुरुषों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से एक पावन महोत्सव का रूप ले चुका।

छत्तीसगढ़ बसना के विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. स्वामी शिवेंद्र दास जी पिछले अनेक वर्षों से स्वामी रामतीर्थ मिशन के उद्देश्यों जागृति, अध्यात्म, और राष्ट्र सेवा के प्रति निष्ठापूर्वक समर्पित रहे हैं। उनके कार्यों की गहराई, अनुशासन और जनकल्याण की भावना को देखते हुए उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन किया गया। उनका पट्टाभिषेक समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

इस समारोह में शामिल हुए बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि स्वामी जी के आभामंडल में आत्मिक शांति की अनुभूति हुई |उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ |उनका संयम, सेवा और अध्यात्म हमारे समाज के लिए मार्गदर्शक है। इस आयोजन में देश के अनेक विशिष्ट संतों का सानिध्य भी प्राप्त हुआ, जिसने इसे एक दिव्य आयाम प्रदान किया।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि डॉ. स्वामी शिवेंद्र दास जी जैसे साधक के नेतृत्व में स्वामी रामतीर्थ मिशन निश्चित ही नयी ऊँचाइयों को छुएगा। उनके संयम और सेवा का मार्ग हम सभी के लिए प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि इस पट्टाभिषेक समारोह कार्यक्रम में पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन एवं समस्त षडदर्शन साधु समाज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पतंजलि योगपीठ के श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज,मुख्य अतिथि स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय सरकार्यवाह,सारस्वत अतिथि अस्थल बोहर रोहतक से श्री बाबा मस्तनाथ मठ के परमाध्यक्ष श्रद्धेय महंत बालकनाथ जी महाराज सहित देश भर से पधारे अनेक संत महापुरुषों की उपस्थिति ने समारोह को धर्म और संस्कृति के मिलन स्थल में परिवर्तित कर दिया। संवाद, प्रवचन और भक्ति भाव से परिपूर्ण इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी संख्या ने भाग लिया।

ग्राम भीखापाली में हुए मारपीट प्रकरण मे दोनों पक्षों के खिलाफ दर्ज हुआ एफआईआर

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली थाना क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम भीखापाली में मारपीट का मामला सामने आया है ।

प्रकरण मे दोनों पक्षों के खिलाफएफ आई आर दर्ज हुई है। महासमुंद थाना सरायपाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीखापाली में दो पक्षों के बीच विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। जिसके चलते दोनों पक्षों के खिलाफएफ्आईआर दर्ज की गई है। घटना 22 जुलाई की रात लगभग 11 बजे की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीखापाली निवासी रंजन जांगड़े ने शिकायत दर्ज कराई कि वह गांव के उपसरपंच हैं और त्यौहार संबंधी मीटिंग के बाद अपने साथी शान्तनु पटेल को ग्राम कोकड़ी छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान गांव में अनुप कुमार भोई और धीरज मरकाम ने रास्ते में अपनी ब्रेजा कार खड़ी कर दी थी। वाहन हटाने की बात कहने पर दोनों ने रंजन को गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ मुक्कों से मारपीट की। शिकायत में यह भी कहा गया कि लात मारकर प्राइवेट पार्ट में चोट पहुंचाई गई, जिससे उन्हें गंभीर दर्द हुआ।

वहीं दूसरी ओर, अनुप कुमार भोई ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि जब वे रात को सांकरा से एसी फिटिंग का काम कर वापस लौट रहे थे, तब रास्ते में एक वाहन खड़ा होने से ट्रैफिक बाधित हुआ। इसी दौरान रंजन जांगड़े और उनके साथी भदरथी ने उनके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट की। अनुप कुमार ने आरोप लगाया कि मारपीट से उनकी बाई आंख में गंभीर चोट आई है और दिखाई देना बंद हो गया है। साथ ही दाहिने हाथ की कलाई में भी चोट पहुंची है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर केस क्रमांक 0186/25 और 0187/25 दर्ज किया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (ड्ढहृस्) की धारा 115(2), 296, 3(5), और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीवान टोला की बदहाल व्यवस्था पर भड़के रहवासी, अजीत जोगी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नगर निगम क्षेत्र के नवागांव वार्ड क्रमांक 2 दीवान टोला के रहवासी पानी, सड़क, नाली और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी से परेशान हैं। लगातार पार्षद और महापौर को शिकायत के बावजूद जब समस्या हल नहीं हुई तो अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम से वार्डवासियों ने संपर्क कर समस्या से अवगत कराया।

समस्या की गंभीरता को देखते हुए शमसूल आलम ने खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद वे वार्डवासियों के साथ नगर निगम पहुंचे और आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। निगम की ओर से कार्यपालन अभियंता रामटेके ने ज्ञापन प्राप्त किया।

शमसूल आलम ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार सिर्फवादे कर रही है, जमीनी स्तर पर कार्य नहीं हो रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि यह वार्ड महापौर के निवास के ठीक बगल में होने के बावजूद भी पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है, तो बाकी इलाकों की क्या हालत होगी।

ज्ञापन में बताया गया कि नाली निर्माण न होने से घरों के सामने पानी भर जाता है और सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती हैं। बच्चे और बुजुर्ग घुटनों तक पानी में चलने को मजबूर हैं।

वार्ड में एक व्यक्ति ने सड़क पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया है, जिसके चलते एम्बुलेंस तक लोगों के घरों तक नहीं पहुंच पा रही। यह स्थिति किसी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

शमसूल आलम ने प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद थे, जिन्होंने अपनी पीड़ा निगम अधिकारियों के सामने रखी। अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

इस अवसर पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम के साथ जिलाध्यक्ष नमन पटेल, बिलाल सोलिन, ऋषभ रामटेके, आदि निषाद, अनवर खान आदि बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

हरेली तिहार : परंपरा, प्रकृति और पहचान का उत्सव – प्रणव शर्मा

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और कृषि प्रधान जीवनशैली का प्रतीक हरेली तिहार हम सभी के जीवन में हरियाली, समृद्धि और स्वास्थ्य का संदेश लेकर आता है। गांव गांव में कृषि औजारों की पूजा की जाती है और बच्चे जवान गेंड़ी दौड़ और विभिन्न खेलो का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर अपनी सहभागिता प्रदर्शित करते हुए पाटन जनपद के सभापति (वन एवं पर्यावरण) एवं सक्रिय भाजपा नेता प्रणव शर्मा जी ने समस्त पाटन वासियों सहित प्रदेश के किसानों, श्रमिकों और आमजन को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा हरेली छत्तीसगढ़िया अस्मिता का प्रतीक है। यह त्योहार हमें प्रकृति, पशु और परिश्रम के प्रति कृतज्ञता का भाव सिखाता है। आइए हम सभी इस पर्व को हर्ष और पारंपरिक रीति-रिवाज़ों के साथ मनाएं और आने वाली पीढ़ी को हमारी समृद्ध विरासत से जोड़ें। प्रणव शर्मा ने क्षेत्र के भाठागांव और घुघुवा में किसानों और ग्रामीणों के बीच जाकर हरेली कार्यक्रम में भाग लिया एवं पारंपरिक औजारों की पूजा-अर्चना की। उन्होंने वन एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी स्थानीय युवाओं से संवाद किया और वृक्षारोपण का संकल्प दिलाया।

न.प. दाढ़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायं के स्वागत की जोरदार तैयारियाँ

खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल बोले 'मुख्यमंत्री का स्वागत होगा भव्य और ऐतिहासिक'

बेमेतरा (समय दर्शन):- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायं के प्रस्तावित बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी प्रवास को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और तैयारियों का माहौल चरम पर है। इसी सिलसिले में आज नवागढ़ के सतनाम भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने की। बैठक में नवागढ़ विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचगण, जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद अग्रवाल, एसडीएम नवागढ़ श्रीमती दिव्या पोटाई, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री अजय साहू सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य 28 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायं के नवागढ़ आगमन को ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाना था। इस अवसर पर मंत्री श्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का आगमन जिलेवासियों के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की बेहतर सफ़ाई व्यवस्था, ट्रैफिक एवं सुरक्षा प्रबंधन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए |मंत्री श्री बघेल ने जनप्रतिनिधियों और आमजन से अपील की कि इस कार्यक्रम को जन-जन से जोड़ते हुए इसे जनउत्सव के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को कार्यक्रम से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष संवाद का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी आयोजन को लेकर अपने सुझाव रखे और आश्वस्त किया कि ग्राम स्तर तक पूरी तैयारी की जाएगी। सभी ने एकमत से कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव सायं का स्वागत ऐतिहासिक ढंग से किया जाएगा।बैठक के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे समन्वय और सहभागिता से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफ्ल बनाएंगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26